बर्ष:- 05
अंक:- 293
मुरादाबाद
(Sunday)
15 February 2026
पृष्ठ:-8
मूल्य:- 3.00 रूपया

दैनिक प्रातः कालीन मुरादाबाद से प्रकाशित

क्यूँ न लिखूँ सच

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम मोदी ने दी ब्रह्मपुत्र पर 6-लेन पुल की सौगात, बोले- कांग्रेस ने असम को नजर अंदाज किया

असम में पीएम मोदी ने ब्रह्मपुत्र पर कुमार भास्कर वर्मा सेतु का उद्घाटन किया। यह सेतु कई मायनों में खास है। इसका बड़ा कारण है कि 6-लेन और 3030 करोड़ की लागत से बना यह पुल गुवाहाटी और नॉर्थ गुवाहाटी को जोड़ता है। इसी के साथ जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा।असम में इस साल होने वाले विधानसभा के चुनाव को लेकर सियासत में गर्माहट बढ़ गई है। चुनावी रण में राजनीतिक पार्टियों ने अपनी-अपनी तैयारियां भी तेज कर दी है। इसी बीच रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी असम के दौरे पर पहुंचे, जहां उन्होंने ब्रह्मपुत्र नदी पर बने कुमार भास्कर वर्मा सेतु का उद्घाटन किया।यह पुल गुवाहाटी को नॉर्थ गुवाहाटी से जोड़ता है और पूर्वोत्तर भारत का पहला एक्स्ट्राडोज्ड पुल है। यह 6-लेन का आधुनिक पुल करीब 3,030 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। इसके बनने से गुवाहाटी और नॉर्थ गुवाहाटी के बीच यात्रा समय घटकर सिर्फ 7 मिनट रह जाएगा, जिससे लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।बता दें कि असम भूकंप संभावित क्षेत्र है, इसलिए पुल को खास तकनीक से बनाया गया है। इसमें 'बेस आइसोलेशन टेक्नोलॉजी' का इस्तेमाल किया गया है, जो भूकंप के झटकों को कम करने में मदद करती है। इतना ही नहीं मजबूत और टिकाऊ रहने के लिए इसमें हाई-परफॉर्मेंस केबल्स लगाए गए हैं।इसके साथ ही पुल में ब्रिज हेल्थ मॉनिटरिंग सिस्टम (बीएचएमएस) भी लगाया गया है। यह सिस्टम पुल की स्थिति पर नजर रखेगा, किसी भी नुकसान का पहले से पता लगाएगा और सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। यह पुल न केवल यातायात को आसान बनाएगा, बल्कि क्षेत्र के विकास और कनेक्टिविटी को भी नई गति देगा। कांग्रेस के राज में असम को तरसाया गया- पीएम मोदी- पीएम मोदी ने गुवाहाटी के खानापारा में वेटनरी कॉलेज फील्ड में भाजपा पार्टी कार्यकर्ताओं की एक जनसभा को भी संबोधित किया। जहां उन्होंने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर जमकर निशाना साझा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के राज में असम को तरसाया गया। पीएम मोदी ने कहा, %कुछ दिन पहले ही देश का बजट आया है। बजट के बाद असम, पूर्वोत्तर का मेरा यह पहला दौरा है। जिस पूर्वोत्तर को कांग्रेस ने हमेशा नजरअंदाज किया हम उस पूर्वोत्तर की भक्ति भाव से सेवा कर रहे हैं। पूर्वोत्तर हमारे लिए अष्टलक्ष्मी है, इस वर्ष का बजट अष्टलक्ष्मी के लिए भाजपा, एनडीए के विजन को और मजबूती देने वाला है। बजट में बहुत अधिक फोकस पूर्वोत्तर को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने पर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, %भाजपा का कार्यकर्ता परिश्रम की पराकाष्ठा करता है, उसके कारण भाजपा आगे बढ़ती है। मैं गर्व से कहता हूं कि मेरे जीवन की सबसे गौरवपूर्ण बात यही है कि नरेंद्र मोदी भाजपा का कार्यकर्ता है। आज भाजपा जहां पहुंची है उसका श्रेय अगर किसी को मिलता है तो वह सिर्फ और सिर्फ भाजपा के कार्यकर्ताओं को मिलता है। हमारा विश्वास संगठन में है, हम राष्ट्र जीवन में परिवर्तन का आधार संगठन की शक्ति मानते हैं और इसलिए इतनी बड़ी तादाद में जमीन की जड़ों से जुड़े कार्यकर्ताओं का दर्शन करना अपने आप में बहुत बड़ा सौभाग्य है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज असम दौरे पर जनसभा में जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले का जिक्र किया। पीएम मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ नीतियों का जिक्र करते हुए कांग्रेस को आड़े हाथों लिया। उन्होंने पूर्वोत्तर भारत में विकास कार्यों को दी जा रही प्राथमिकता को भी रेखांकित कियाअसम में इस साल विधानसभा चुनाव कराए जाने हैं। चुनाव की औपचारिक घोषणा से चंद हफ्ते पहले राज्य को आज विकास परियोजनाओं की सौगात मिली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम दौरे पर आज राज्यवासियों को संबोधित भी किया। उन्होंने गुवाहाटी में आयोजित जनसभा में जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में हुए आतंकी हमले का भी जिक्र किया। बढ़ती सियासी सरगर्मियों के बीच चुनावी बिगुल फूंकते हुए पीएम मोदी ने एक तरफ जहां भाजपा के कार्यकाल में हुए फैसलों और विकास परियोजनाओं का उल्लेख किया तो दूसरी तरफ विपक्षी राजनीतिक पार्टी- कांग्रेस को भी आड़े हाथ लिया। पीएम मोदी ने कांग्रेस पार्टी पर आतंकियों को कंधे पर बिठाने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस नेता घुसपैठियों को बचाने में लगे हैं। उन्होंने भाजपा के पक्ष में जनादेश का भरोसा जताते हुए कहा कि आने वाले चुनावों में जनता भारी बहुमत से भाजपा की सरकार चुनेगी। कांग्रेस पर तुष्टिकरण के आरोप लगाते हुए पीएम मोदी ने कहा कि पूर्वोत्तर को नजरअंदाज कर कांग्रेस पार्टी ने हमेशा फंड आवंटित करने से परहेज किया। उन्होंने भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) सरकार के कार्यकाल में किए जा रहे फैसलों को रेखांकित करते हुए आज लोकार्पण के बाद खोले गए भास्कर सेतु समेत कई अन्य परियोजनाओं का भी उल्लेख किया।भारत ने जिस तरह आतंकियों को सजा दी, वो पूरी दुनिया ने देखा- पुलवामा आतंकी हमले की सातवीं बरसी का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज ही पुलवामा हमले की बरसी है। मैं इस हमले में जान गंवाने वाले मां भारती के वीर सपूतों को नमन करता हूं। इस आतंकी हमले के बाद भारत ने जिस तरह आतंकियों को सजा दी, वो पूरी दुनिया ने देखा है। जम्मू-कश्मीर के ही पहलगाम में अप्रैल, 2025 में दहशतगर्दों की कायराना करतूत का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा, अभी आपने भारत की ये शक्ति ऑपरेशन सिंदूर में भी देखी है। कांग्रेस कभी भारत का भला नहीं कर सकती- पहलगाम हमले के बाद भारतीय सेना के मुंहतोड़ जवाब का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने गुवाहाटी की जनसभा में मौजूद जनता से पूछा, %मैं आपसे जानना चाहता हूं कि क्या कभी कांग्रेस में देशहित के लिए इतनी हिम्मत के साथ फैसले करने की ताकत थी क्या? वो ज्यादा से ज्यादा बयान दे सकते हैं।% प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, %जो कांग्रेस भारत को राष्ट्र मानने से भी इनकार करती हो... जो सवाल करते हैं कि मां भारती क्या होती है, जो मां भारती के नाम तक से परहेज करती हो, जो मां भारती के प्रति जरा सा सम्मान तक नहीं दिखाते, वो कांग्रेस कभी भारत का भला नहीं कर सकती। आजादी के समय मुस्लिम लीग ने देश का बंटवारा कराया, अब कांग्रेस... उन्होंने कहा, आज की कांग्रेस हर उस विचार... हर उस आतंकी को कंधे पर बिठाती है... जो देश का बुरा सोचता है। जो लोग देश के टुकड़े-टुकड़े करने का सपना देखते हैं... जो लोग, नॉर्थईस्ट को भारत से अलग करने के नारे लगाते हैं... वो कांग्रेस के लिए पूजनीय बन चुके हैं।% पीएम मोदी ने कहा, आजादी के समय मुस्लिम लीग ने देश का बंटवारा कराया। अब आज की कांग्रेस, मुस्लिम लीगी माओवादी कांग्रेस यानी रूस्ष्ट बनकर फिर देश को बांटने में लग गई है। इसलिए आपको कांग्रेस से सावधान रहना है और असम की जनता को भी सावधान करना है। असम के बूथ लेवल कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार- पीएम मोदी ने कहा, बड़ी-बड़ी आम सभाएं करने का तो बहुत अवसर मिलता है। जनता जनार्दन के दर्शन करना, उनसे संबोधन करना लगातार चलता रहता है। इन सबके बीच असम के बूथ लेवल के कार्यकर्ताओं के दर्शन करना मेरे लिए बहुत बड़ा सौभाग्य है। आज भाजपा जहां पहुंची है, उसका श्रेय अगर किसी को मिलता है, तो वो सिर्फ और सिर्फ भाजपा के कार्यकर्ताओं को जाता है। कार्यकर्ताओं के दर्शन करना बहुत बड़ा सौभाग्य- भाजपा की नीति और विचारधारा का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा, हमारा विश्वास संगठन में है।

असम में पुलवामा का जिक्र, पीएम बोले- कांग्रेस आतंकियों को कंधे पर बिठाती है

संक्षिप्त समाचार

NCP के विलय को लेकर संजय राउत का बड़ा दावा, कहा- शरद पवार के फिर राज्यसभा जाने पर MVA करेगा मंथन

महाराष्ट्र की राजनीति पिछले काफी समय से चर्चा में बनी हुई है। वहीं हाल ही में मौजूदा डिप्टी सीएम अजित पवार के निधन के बाद एनसीपी के दोनों धड़ों के विलय की चर्चा काफी तेज रही है। अब इसे लेकर शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने बड़ा दावा किया है।शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने शनिवार को दावा किया कि एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार आगामी राज्यसभा चुनाव लड़ना चाहते हैं और विपक्षी दल महा विकास अघाड़ी (एमवीए) इस बारे में चर्चा करेगा। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों गुटों के विलय को लेकर कहा कि दोनों दलों को विलय संभव नहीं है।शरद पवार को 60 वर्षों का अनुभव- संजय राउत ने कहा, मैंने शरद पवार साहब से बात की। मैंने इस बारे में उनकी राय पूछी (क्या वह राज्यसभा चुनाव लड़ेंगे)। उन्होंने मुझे बताया कि वह राज्यसभा चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने मुझे बता दिया है। संजय राउत ने आगे कहा कि शरद पवार देश के एक वरिष्ठ राजनेता हैं, जिन्हें लगभग 60 साल का कानूनी अनुभव है। आगामी राज्यसभा चुनाव पर एमवीए करेगा मंथन-संजय राउत ने कहा कि पवार साहब ने कांग्रेस को अपनी स्थिति बता दी है कि वह राज्यसभा चुनाव लड़ना चाहते हैं। वार गुट की एनसीपी एसपी, कांग्रेस और उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली सेना शिवसेना यूबीटी महाविकास अघाड़ी (एमवीए) गठबंधन में शामिल हैं।

भारत माता की जय से संविधान की शुरुआत नहीं होती, वंदे मातरम विवाद पर बोले ओवैसी

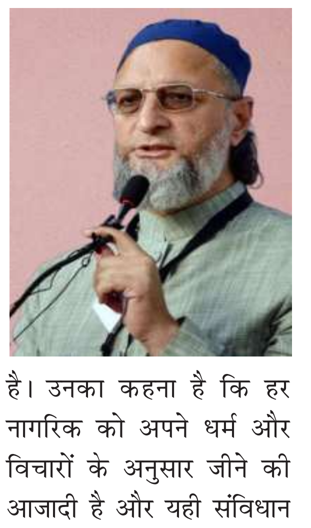

तेलंगाना नगरपालिका चुनाव के नतीजों के बाद एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भाजपा पर निशाना साधा। इसके साथ ही संसद, हिजाब, संविधान से लेकर वंदे मातरम तक इन सभी मुद्दों पर उन्होंने बेबाकी के साथ अपना रुख साफ किया।तेलंगाना में हुए नगरपालिका चुनाव और फिर सामने आए नतीजों ने पूरे राज्य की राजनीत में गर्माहट तेज कर दी है। इसी बीच एआईएमआईएम प्रमुख और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने एक साथ कई संसद, हिजाब, वंदे मातरम समेत कई मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखी। ओवैसी ने कहा कि यह वफादारी की परीक्षा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत का संविधान 'वी द पीपल' यानी 'हम भारत के लोग' से शुरू होता है, न कि 'भारत माता की जय' से।ओवैसी ने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 25 हर नागरिक को धर्म की स्वतंत्रता का मूल अधिकार देता है। ऐसे में किसी की देशभक्ति को किसी नारे से जोड़ना सही नहीं है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या राष्ट्रीय गान को खत्म करने की कोशिश की जा रही है? ओवैसी ने कहा कि उन्हें अपनी वफादारी का कोई प्रमाणपत्र देने की जरूरत नहीं है। उनका कहना है कि हर नागरिक को अपने धर्म और विचारों के अनुसार जीने की आजादी है और यही संविधान की भावना है।भाजपा पर साधा निशाना- उन्होंने तेलंगाना में हुए चुनाव को लेकर भाजपा पर जमकर निशाना साधा। ओवैसी ने कहा कि तेलंगाना नगरपालिका चुनाव के दौरान भाजपा नेता हर पांच मिनट में उनका नाम तीन बार लेते थे, जिससे ऐसा लगता है कि वे उन्हें पसंद करते हैं। इसके साथ ही आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की तरफ से वीर सावरकर को भारत रत्न देने की मांग पर भी उन्होंने अपनी प्रतिक्रिया दी। ओवैसी ने कहा कि अगर वे चाहें तो नाथूराम गोडसे को भी भारत रत्न दे सकते हैं। ओवैसी ने कहा कि तेलंगाना में उनकी पार्टी संरचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभा रहा है, जबकि सरकार केवल तब लाभान्वित होती है जब संसद काम नहीं करती। उन्होंने यह भी बताया कि विपक्ष ने जो दस्तावेज पेश किया, वह सार्वजनिक दस्तावेज था और सरकार इसे खारिज नहीं कर रही।हिजाब को लेकर क्या बोले ओवैसी- न्यूज एजेंसी एएनआई से बातचीत के दौरान ओवैसी ने हिजाब को लेकर भी अपना रुख साफ किया। उन्होंने कहा कि मैं देश की विविधता और समावेशिता को बढ़ावा दे रहा हूं, और मेरा सपना है कि एक हिजाब पहनने वाली महिला भारत की प्रधानमंत्री बने। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बयान %कयामत कभी नहीं आएगी और बाबरी मस्जिद का पुनर्निर्माण नहीं होगा% पर ओवैसी ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि कम से कम उन्होंने उर्दू का शब्द इस्तेमाल किया, जबकि हिंदी में ऐसा कोई शब्द नहीं है।बाबरी मस्जिद के सुप्रीम कोर्ट फैसले पर भी ओवैसी ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि मैं अब भी मानता हूं कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला गलत था। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के एक वीडियो पर उन्होंने कहा कि यह वीडियो जातिगत भेदभाव और हिंसा भड़काने वाला था। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर यह वीडियो ओवैसी ने बनाया होता, तो क्या होता।

ट्रेड डील ने टेक्सटाइल उद्योग को खत्म कर दिया, व्यापार समझौते पर राहुल गांधी का फिर बड़ा हमला

भारत सरकार की अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी लगातार हमलावर है। एक दिन पहले जहां उन्होंने संसद परिसर के भवन के अंदर किसान संघ के नेताओं से साथ ट्रेड डील पर चर्चा की तो अब उन्होंने एक वीडियो जारी करते हुए टेक्सटाइल उद्योग को खत्म करने का बड़ा आरोप लगाया है।लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी केंद्र सरकार को अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते पर लगाया घेर रहे हैं। इसी के साथ वो लगातार टैरिफ का मुद्दा भी उठा रहे हैं। एक दिन पहले जहां राहुल गांधी ने किसान संघ के नेताओं से मुलाकात की। वहीं अब एक वीडियो साझा करते हुए आरोप लगाया कि इस व्यापार समझौते से देश का टेक्सटाइल उद्योग पूरी तरह से नष्ट हो जाएगा।अपने वीडियो में राहुल गांधी ने ट्रेड डील को लेकर पीएम मोदी और भाजपा सरकार पर देश को गुमराह करने का आरोप लगाया। इसी के साथ दावा किया कि यह समझौता भारत के कपास किसानों और टेक्सटाइल उद्योग के लिए नुकसानदायक साबित होगा।टैरिफ पर सरकार को घेरा, बताई सच्चाई! कपास की खेती और कपड़ा क्षेत्र से संबंधित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की आलोचना करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि बांग्लादेश को अमेरिका में कपड़ा निर्यात पर शून्य फीसदी टैरिफ का फायदा दिया जा रहा है। शर्त बस इतनी है कि वो अमेरिकी कपास आयात करें। भारत के गारमेंट्स पर 18 फीसदी टैरिफ की घोषणा के बाद जब मैंने संसद में बांग्लादेश को मिल रही खास रियायत पर सवाल उठाया, तब मोदी सरकार के मंत्री का जवाब आया - चाहिए, तो अमेरिका से कपास मंगवानी होगी। 18% टैरिफ बनाम 0% - आइए समझाता हूं, कैसे झूठ बोलने में माहिर प्रधानमंत्री और उनकी कैबिनेट इसपर भ्रम फैला रहे हैं। और, किस तरह से वो भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से देश के कपास किसानों और टेक्सटाइल एक्सपोर्टर्स को धोखा दे रहे हैं।ऐसे में उन्होंने सवाल उठाते हुए पूछा कि आखिर, ये बात तब तक देश से छुपाई क्यों गई? इसी के साथ राहुल गांधी ने आगे कहा कि अगर हम अमेरिकी कपास मंगवाते हैं तो हमारे अपने किसान बर्बाद हो जाएंगे। अगर नहीं मंगवाते, तो हमारा टेक्सटाइल उद्योग पिछड़कर तबाह हो जाएगा। इतना ही नहीं उन्होंने दावा किया कि अब बांग्लादेश यह संकेत दे रहा है कि वह भारत से कपास आयात भी कम या बंद कर सकता है।

संपादकीय Editorial

The economic landscape will change.

The spending power of Himachal's citizens has led to the growth of markets and trade through private investment. Furthermore, lifestyle changes have led to increased investment in urbanization, new construction, and residential developments. Indeed, private investment has enhanced Himachal's image. Vehicle purchases have become a common household, and brands are becoming established in every shopping experience. Himachalis have leveraged their economic strength to boost private schools, colleges, hospitals, and real estate in Punjab and Haryana. In this context, governments, posing as exemplars of generosity, have transferred borrowed currency to the public, especially the working class, without demanding any return. It's worth noting that the current Sukhu government has addressed the financial capabilities of the people by establishing new cities in Chandigarh, Morni Hills, and Lanj. New cities can be a bulwark for the urban economy, in addition to private investment, but their introduction must also incorporate science and IT capabilities. For example, if the proposed city in Lunj, near Kangra Airport, also combines the potential of an IT park, it would be icing on the cake. If Himachal's IT sector were to be established alongside the Mohali Airport and Him Chandigarh, it would not only be a Chandigarh for the corporate world, but also a potential city for Himachali IT professionals. Almost every city in Himachal will need to develop its professional capabilities, based on its strengths and specialties, to integrate a youth-driven economy. The concentration of young professionals in Mysore, Bangalore, Hyderabad, Pune, Mohali, Gurugram, and Noida is providing stability to these cities' economies. If this concept were to become a favorite of young professionals in Himachal's Him Chandigarh, Morni Hills, and Lunj, the economic landscape could change. Our relationship with tourists visiting Himachal is connecting young professionals. This unique tourism provides future opportunities. Young tourists come to experience nature, peace, and escape the busy metro commute. Therefore, the concept of tourism development needs to be de-concentrated. Instead of making tourist destinations the endpoint, it's better to promote rural tourism. Indeed, ADB projects are tall. Even if Raghubir Singh Bali, who holds the cabinet rank of Tourism Development Minister, installs Asia's tallest fountain in his constituency, young tourists want a rural tourism experience. In Himachal, ?2,350 crore is being spent on the Tranche One and Tranche Two projects with ADB support. However, if this amount had been used to explore village tourism, at least one tourist village could have been developed in each of the 68 assembly constituencies. The HPTDC's agreement with the Indian Railway Catering and Tourism Corporation (IRCTC) is certainly a good initiative, allowing train passengers to disembark at the station and become guests of Himachal Tourism under a package. Readers may recall that we made a similar suggestion regarding the Vande Bharat Express' journey beyond Amb-Andaura. If the Tourism Corporation joins the Vande Bharat train to Amb-Andaura, the circuits of Garli-Paragpur, Haripur-Guler, Dharamshala-McLeodganj, Masroor-Pong Dam, and Palampur-Billing, within the tourism capital of Kangra, will become an evergreen package. Similarly, for cine tourism, if a film city is established between Garli-Paragpur, Arki-Kunihar, or Kumarhatti to Nahan, the state's economic ranking could rise.

Bangladesh Embraces a New Era, Signs of Major Political Change

The people of Bangladesh have chosen change, not turmoil. The success of this political transition will depend on the extent to which the new government ensures democratic dignity, economic prosperity, and social harmony. The Awami League is out of power after the July 2024 movement. The BNP wins, ushering in a new era under Tarique Rahman. The rise of Jamaat-e-Islami, and a shift in regional diplomacy. Bangladesh's general election will be considered one of the most decisive turning points in its political history. This was the first general election since the July 2024 student movement, which forced then-Prime Minister Sheikh Hasina to step down and ended the long-standing dominance of her party, the Awami League. The election gave a clear mandate to the Bangladesh Nationalist Party (BNP). With party president Tarique Rahman likely to become Prime Minister, Bangladesh is moving into a new political era, influenced by generational change, ideological rebalancing, and regional diplomatic dynamics. This election was not merely a process of replacing the interim government led by Nobel laureate Muhammad Yunus. It was also an attempt to chart the country's course after the profound political crisis that rocked the nation in 2024. The July 2024 agitation initially began as a protest against the reservation policy in government jobs, but it soon escalated into widespread discontent. The deaths of hundreds of people severely undermined the government's legitimacy and ultimately paved the way for a change of power. The interim government promised democratic restoration and institutional reforms, and in this context, the 13th parliamentary election and a referendum on constitutional reforms were held. This result marked not only a change of power but also a profound shift in the political structure. The most striking feature of this election was the absence of the Awami League. It was barred from contesting the elections on the basis of alleged crimes committed during the protests, but its absence also ended decades of bipartisan competition and raised questions about the fairness of the elections. Since 1990, Bangladesh's politics has revolved around the Awami League and the BNP. The BNP's victory represents both a resurgence and a test for the party. After years in opposition and internal challenges, the party has returned with renewed energy. Tarique Rahman's leadership marks a generational shift. This transition not only marks a transfer of power from the interim administration, but also a move beyond the era of his mother and former Prime Minister Khaleda Zia and Sheikh Hasina. Although dynastic politics remains influential in Bangladesh, Rahman adopted a relatively restrained and pragmatic approach in his election campaign. He emphasized law and order, economic reforms, and employment for youth. His stance toward India was soft, indicating future diplomatic prospects. His decision to postpone victory celebrations due to his mother's passing sends a message of political maturity. Another significant aspect of the election is the rise of Jamaat-e-Islami. It has emerged as the main opposition force. Its performance demonstrates that political Islam still has a significant presence in Bangladeshi politics. Although it did not come to power, its increase in seats is significant. Its rise will be a cause for concern among secular sections of the country and neighboring countries. The National Citizens Party, a student party that emerged from the 2024 movement, failed to achieve the expected success. Transforming revolutionary energy into organized political power is not easy, and this is precisely what happened to it. Its alliance with Jamaat-e-Islami caused confusion among its supporters. This experience demonstrates that forces emerging from mass movements require strong organization and resources to survive in institutional politics. This election also highlighted social challenges. Women's political participation remained limited, while their role in the 2024 movement was significant. The new government faces serious challenges on the economic front. Bangladesh's economy is dependent on exports, especially the garment industry. Political instability has affected investor confidence. Will the constitutional reforms proposed under the July National Charter determine whether the power of the executive will be limited? For India, Bangladesh is not just a neighbor but a strategic partner. Issues such as a nearly 4,000-kilometer shared border, connectivity to Northeast India, and security cooperation connect the two countries. By congratulating Tarique Rahman, Prime Minister Modi has signaled that India will adopt a pragmatic approach. However, Sheikh Hasina's presence in India could create diplomatic complications. China will also be monitoring this development, given its investment and strategic interests. Recent engagement with Pakistan adds a new element to the regional equation, although historical context limits the possibility of a profound strategic shift. The election results also show that Bangladesh is tired of ideological polarization and desires stability and economic progress. Political Islam has grown in presence, but it has not replaced mainstream power. The BNP has an opportunity to use its mandate to strengthen democratic institutions and provide inclusive governance. If power is used for reform rather than vengeance, it will be a viable option. If this is done, Bangladesh can move towards a more balanced and stable future. The people of Bangladesh have chosen change, not turmoil. The success of this political transition will depend on the extent to which the new government ensures democratic dignity, economic prosperity, and social harmony.

Antibiotic misuse poses a threat

Ultimately, AMR is not just a medical problem, but a social, economic, and policy challenge. Responsible antibiotic use today will determine whether future generations will have effective treatment options. Antibiotic misuse is creating a serious AMR crisis. Shared responsibility is essential for the government, the IMA, and society. The spread of antibiotic residues in the environment is worrying. Antimicrobial resistance (AMR) is one of the most serious, yet least understood, public health crises facing the world today. This problem is gradually undermining the foundation of treatment. When bacteria, viruses, fungi, and parasites become resistant to drugs, even common infections can become fatal. The impact is even more profound in developing countries like India, where the burden of infection is high and health resources are limited. In 2019, approximately 5 million deaths worldwide were linked to AMR. If we do not become aware of and control it now, this number could reach 10 million annually in the future. This crisis is also dangerous because its symptoms appear gradually, and by the time treatment becomes ineffective, it is often too late. Prime Minister Modi has been advocating that antibiotics should not be used without medical advice. This appeal is important because many diseases, such as the common cold, fever, or viral infections, resolve on their own, and antibiotics play no role in them. Despite this, unnecessary and irrational use of medicines has become commonplace in our society. Such indiscriminate use allows microorganisms to become more resistant, potentially rendering life-saving drugs ineffective in the future. This situation is worrying because new antibiotics are not being developed at the pace at which microorganisms are becoming resistant. No new major class of antibiotics has emerged in the last two decades. Developing a new antibiotic is a long, complex, and extremely expensive process, taking 15 to 20 years. Despite significant investment, the economic returns remain limited. This is why pharmaceutical companies shy away from large investments in this area. The government has developed a multi-pronged action plan to combat AMR. Under the National Action Plan, surveillance systems are being strengthened to monitor drug resistance trends in a timely manner. Controlling over-the-counter sales of antibiotics, antimicrobial stewardship programs in hospitals, and promoting laboratory-based testing are steps in this direction. Efforts to control antibiotic use in animal husbandry, agriculture, and fisheries are also part of the government's One Health strategy, which recognizes the interconnected health of humans, animals, and the environment. The Indian Medical Association plays a key role in this fight. The Indian Medical Association (IMA) is actively involved in raising awareness among physicians across the country about AMR, promoting responsible prescribing, and spreading the right message to the public. The IMA's AMR Committee has consistently warned that antibiotic misuse not only complicates treatment but also poses a threat to entire generations. Antibiotics are most commonly misused to enhance the growth of animals, fruits, and vegetables, rather than protecting human health. A serious aspect of this crisis also concerns the environment and rivers. Rivers, ponds, and groundwater are also becoming contaminated with AMR due to human activities, hospital waste, industrial waste, antibiotic residues from farms, and animal feces. Experts are constantly warning about the presence of resistant bacteria and antibiotic residues in many rivers. These are becoming active carriers of AMR, transmitting the threat to humans through water, soil, and the food chain. This contaminates the food chain and contaminates water sources. Common water purification systems are incapable of filtering AMR, allowing it to enter the human body through water. The fight against AMR is not just the responsibility of doctors or the government, but of society as a whole. Until ordinary citizens understand this threat, policies and regulations will have limited impact. Antibiotics should only be used on prescription from qualified physicians. Adherence to the full dosage and correct duration of medication is essential. Restrictions on over-the-counter sales must be strictly enforced. Hygiene, sanitation, safe water, and widespread vaccination are the most effective means of preventing infection. Improved diagnostic facilities can ensure that the right medicine is prescribed for the right disease. Increasing government investment and incentives for antimicrobial research and innovation is crucial. Ultimately, AMR is not just a medical problem, but a social, economic, and policy challenge. Responsible use of antibiotics today will determine whether future generations will have effective treatment options.

ये है भारत की असल तस्वीर: हरिद्वार से कांवड़ लेकर निकली मुस्लिम महिला, महाशिवरात्रि पर आज करेगी जलाभिषेक

तमन्ना मलिक ने बताया कि उन्होंने करीब तीन साल पहले अमन त्यागी से शादी की थी। उन पर दो बेटे हैं। वह 10 फरवरी को कांवड़ लेने के लिए हरिद्वार गई थीं।महाशिवरात्रि के मौके पर सांप्रदायिक सौहार्द और आस्था की अलग हरिद्वार से कांवड़ में गंगाजल लेकर निकली मुस्लिम महिला का वायरल हो रहा है। यह संभल के गांव बदनपुर बसेई की तमन्ना है कि महाशिवरात्रि पर क्षेमनाथ करेंगी।वायरल हुआ तमन्ना का निवासी अमन त्यागी की पत्नी मीडिया पर जो वीडियो वायरल का बताया जा रहा है। जिसमें कंधे पर कांवड़ रखकर चलती चलने वाले कांवड़िये भी बम- के जयकारे लगा रहे हैं। क्षेमनाथ जलाभिषेक- तमन्ना मलिक ने तीन साल पहले अमन त्यागी से बेटे हैं। वह 10 फरवरी को कांवड़ शनिवार को असमोली पहुंच महाशिवरात्रि पर क्षेमनाथ तीर्थ पर अपना और पति दोनों का धर्म

तस्वीर सामने आई है। यूपी के संभल के लिए वीडियो सोशल मीडिया पर जिले के असमोली थाना क्षेत्र मलिक की हैं। उनका कहना तीर्थ पर जलाभिषेक वीडियो- गांव बदनपुर बसेई तमन्ना मलिक का सोशल हो रहा है वह बिजनौर क्षेत्र तमन्ना मलिक बुर्का पहनकर नजर आ रही हैं। साथ में बम भोले, हर-हर महादेव तीर्थ पर करना है बताया कि उन्होंने करीब शादी की थी। उन पर दो लेने के लिए हरिद्वार गई थीं। जाएंगी। बताया कि जलाभिषेक किया जाएगा। मानती हैं तमन्ना- तमन्ना मलिक ने कहा कि अन्य लोगों को जब कांवड़ लाते हुए देखती हूं तो अच्छा लगता है। मेरे मन में भी ऐसा भाव आया। जिसके बाद ही कांवड़ लेकर आ रही हूं। बताते चलें कि तमन्ना मलिक अपने धर्म को मानती हैं और पति अमन त्यागी के धर्म को भी मानती हैं। अमन त्यागी का कहना है कि दोनों अपने-अपने धर्म के मुताबिक रहते हैं। कोई रोक टोक नहीं है।कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए धनौरा-गजरौला-बिजनौर मार्ग पर जीरो ट्रैफिक- कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए पुलिस ने धनौरा-गजरौला और चांदपुर मार्ग पर ट्रैफिक जीरो कर दिया। किसी भी वाहन को उधर नहीं जाने दिया जा रहा, जिधर से कांवड़िये आ रहे हैं। महाशिवरात्रि पर भगवान शिव का जलाभिषेक करने के लिए कांवड़ में गंगा जल लेने हरिद्वार गए कांवड़ियों के जत्थे लौट रहे हैं। लंबी दूरी के कांवड़िये कई दिन पूर्व हरिद्वार से चल पड़े थे। जिनमें आधे से अधिक कांवड़िये अपने गंतव्य के निकट पहुंच चुके हैं।

दिल्ली हाईवे पर 15 की शाम तक नहीं चलेंगे भारी वाहन, सड़कों पर कांवड़ियों का रेला..

महाशिवरात्रि के चलते मुरादाबाद में कांवड़ियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए कांठ रोड और दिल्ली हाईवे पर भारी वाहनों का संचालन बंद कर दिया गया है। रोडवेज और निजी बसों को वैकल्पिक मार्ग से भेजा जा रहा है। यह रहेगी।महाशिवरात्रि के मौके बढ़ गई है। आज से भक्ति को त्योहार है। ऐसे में गए हैं। कांठ रोड पर भारी दिया गया है। हाईवे पर सभी भारी वाहनों का वाहनों को भी बदले मार्ग से है। एसपी यातायात सुभाषचंद्र कराने के लिए हाईवे, कांठ रोड पर जगह-जगह यातायात टीएसआई, टीआई की ड्यूटी शाम छह बजे तक रहेगी। है तो हाईवे पर भी अमरोहा बसों का संचालन बंद किया रोडवेज व निजी बसों को हुए बिजनौर और हरिद्वार भेजा

व्यवस्था 15 फरवरी शाम तक लागू पर हाईवे पर कांवड़ियों की आवाजाही का ताप और बढ़ जाएगा, क्योंकि रविवार कांवड़ियों के लिए रास्ते साफ कर दिए वाहनों का संचालन पूरी तरह बंद कर रोडवेज और निजी बसों को छोड़कर बाकी संचालन प्रतिबंधित कर दिया गया है।इन दिल्ली, मेरठ बुलंदशहर के लिए भेजा रहा गंगवार ने बताया कि डायवर्जन का पालन रोड, रामपुर रोड, काशीपुर रोड, संभल पुलिस के सिपाही, हेड कांस्टेबल, लगाई है। यह व्यवस्था 15 फरवरी की दिल्ली हाईवे पर कांवड़ियों की संख्या बढ़ती पुलिस से संपर्क कर रोडवेज और निजी जाएगा। बिजनौर और हरिद्वार जाने वाली ठाकुरद्वारा, काशीपुर, जसपुर, धामपुर होते जा रहा है।ये है रूट प्लान- 1- मुरादाबाद से बिजनौर, हरिद्वार को आने-जाने वाले दूध, फल, सब्जी व गैस, पेट्रोल, डीजल के वाहनों को छोड़कर शेष भारी वाहन शेरुआ, बिजनौर के रास्ते न जाकर बिलारी, सिरसी, संभल, गवां, नरौरा, डिबाई, शिकारपुर, बुलंदशहर, हापुड, मेरठ के रास्ते बिजनौर, हरिद्वार जाएंगे और इसी रास्ते से वापस आएंगे। 2-मुरादाबाद से बिजनौर-हरिद्वार आने-जाने वाली रोडवेज और निजी बस हनुमान मूर्ति तिराहा, काशीपुर तिराहा, ठाकुरद्वारा, काशीपुर, जसपुर, भूतपुरी चौराहा, रहेड़, शेरकोट, धामपुर, नहटौर होते हुए बिजनौर और हरिद्वार जाएंगी और इसी मार्ग से वापस आएंगी।3- मुरादाबाद से दिल्ली, मेरठ की ओर जाने वाले भारी वाहन ट्रक, टैक्टर, मालवाहक भारी वाहन बिलारी, सिरसी, संभल, गवां, नरौरा, डिबाई, शिकारपुर, बुलंदशहर, हापुड, गाजियाबाद होकर दिल्ली जाएंगे और इसी मार्ग से वापस भी आएंगे। इसके अलावा मेरठ जाने के लिए हापुड़ से जाएंगे और यही से वापस आएंगे। 4-मुरादाबाद से रामपुर की ओर आने और जाने वाला भारी वाहन,रोडवेज और निजी बस कुंदरकी, बिलारी, शाहबाद, रामपुर जाएंगी और यहीं से वापस आएगी। नया मुरादाबाद एमडीए ऑफिस के सामने बने अस्थायी बस स्टैंड से बसों का संचालन होगा।रामपुर से आने वाली बसों का मार्ग-रामपुर की तरफ से मुरादाबाद आने-जाने वाली रोडवेज और निजी बसें दलपतपुर जीरो पाइंट होते हुए अस्थायी बस स्टैंड काशीपुर तिराहा प्रेम वंडर लैंड फ्लाईओवर के नीचे तक आएगी और इसी मार्ग से वापस जाएंगी। कांवड़ यात्रा की अधिक दबाव बढ़ने पर रामपुर की तरफ से आने वाली रोडवेज बसें शाहाबाद, बिलारी, कुंदरकी होते हुए अस्थायी बस स्टैंड आजाद नगर मोड़ तक आएंगी तथा इसी मार्ग से वापस जाएगी।बिजनौर से आने वाले निजी और रोडवेज बसें धामपुर, ठाकुरद्वारा होते हुए प्रेम वंडरलैंड अस्थायी बस स्टैंड तक आएंगी। ठाकुरद्वारा जाने वाली रोडवेज बसों का बस स्टैंड भी प्रेम वंडर लैंड के पास ही बनाया गया है।

रसोई से लेकर नाली तक खून ही खून, रुखसाना के गले के पास फंसी मिली गोली; इस बात से खफा दामाद ने मार डाला

मुरादाबाद के मझोला थाना क्षेत्र के जयंतीपुर टीचर कॉलोनी में बृहस्पतिवार की रात आठ बजे नशेड़ी कहने पर एक युवक ने अपनी सास की गर्दन में गोली मार कर हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी दामाद गुलनवाज तमंचा लहराते हुए अपने साथी मुस्तफा क्षेत्र के जयंतीपुर टीचर कॉलोनी में बृहस्पतिवार की करने के आरोपी दामाद गुलनवाज की तलाश में कहीं पता नहीं चल पाया। बृहस्पतिवार की देर रात को शुक्रवार की दोपहर पुलिस ने कोर्ट में पेश किया गलशहीद के असालतपुरा निवासी ई रिक्शा चालक टीचर कॉलोनी में किराये के मकान में रह रहा है। बेटी साहिबा और दामाद गुल नवाज भी रहते हैं। ने अपनी सास रुखसाना की गोली मारकर हत्या कर साथ भाग गया था लेकिन पुलिस ने देर रात की रुखसाना की बेटी साहिबा की तहरीर पर मोती नगला निवासी गुल नवाज के खिलाफ हत्या की सिंह ने बताया कि मुस्तफा को शुक्रवार की दोपहर दिया गया है। मुख्य आरोपी गुलनवाज की तलाश मिली गोली- मुरादाबाद मझोला थाने की पुलिस ने

के साथ भाग गया। मुरादाबाद के मझोला थाना रात नशेड़ी कहने पर सास रुखसाना की हत्या पुलिस ने कई जगह दबिश दी लेकिन उसका गिरफ्तार किए गए गुलनवाज के दोस्त मुस्तफा जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। मूलरूप से शकील करीब तीन माह से मझोला की जयंतीपुर इसी मकान के एक कमरे में शकील की बड़ी चार बेटे और तीन बेटियों के सामने गुलनवाज दी थी।इसके बाद वह अपने साथी मुस्तफा के मुस्तफा को गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस ने मस्जिद करूला निवासी मुतस्फा और पंडित रिपोर्ट दर्ज की थी।एसपी सिटी कुमार रण विजय कोर्ट में पेश किया गया जहां से उसे जेल भेज की जा रही है।रुखसाना के गले के पास फंसी शुक्रवार को रुखसाना (40) के शव का पोस्टमार्टम कराया। डॉक्टर के पैनल ने पोस्टमार्टम किया। इससे पहले शव का एक्सरे कराया गया। इस दौरान वीडियो ग्राफी और फोटो ग्राफी कराई गई। गोली गर्दन के पास दायी ओर फंसी मिली है।नशेड़ी कहने पर गुस्साए दामाद ने सास की गर्दन पर मारी गोली, मौत- मुरादाबाद के मझोला थाना क्षेत्र के जयंतीपुर टीचर कॉलोनी में बृहस्पतिवार की रात आठ बजे नशेड़ी कहने पर एक युवक ने अपनी सास की गर्दन में गोली मार कर हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी दामाद गुलनवाज तमंचा लहराते हुए अपने साथी मुस्तफा के साथ भाग गया।

संक्षिप्त समाचार

गुरु जंभेश्वर विवि: एलएलबी-एलएलएम परीक्षा अब दो बजे से, छात्रों की आपत्ति के बाद समय में बदलाव

गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय की ओर से जारी किए गए एलएलबी और एलएलएम प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं अब दोपहर दो से पांच बजे तक होंगी। विश्वविद्यालय ने यह निर्णय विद्यार्थियों की परीक्षा कार्यक्रम पर आपत्ति

व्यक्त के बाद लिया है। हालांकि परीक्षा की तारीखों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। विश्वविद्यालय की एलएलबी-एलएलएम प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 17 फरवरी से शुरु हो रही हैं। 23 फरवरी तक चलने वाली परीक्षाओं में सिर्फ 22 फरवरी को रविवार का अवकाश है। विश्वविद्यालय ने परीक्षाओं का समय दोपहर तीन बजे से शाम छह बजे तक का रखा था। शुक्रवार को बड़ी संख्या में विधि संकाय के विद्यार्थी विश्वविद्यालय पहुंचे। विद्यार्थियों का आरोप था कि वह दूर-दराज के क्षेत्रों से पढ़ने के लिए आते हैं। वर्तमान परीक्षा समय सारिणी में दिए गए समय और तारीखों की वजह से उन्हें आवागमन, आवास व अन्य व्यवस्थाओं में कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। इससे उनकी परीक्षा की तैयारी प्रभावित होगी। उन्होंने कहा कि निर्धारित परीक्षाओं के बीच एक भी दिन का अंतराल नहीं है। सभी परीक्षाएं लगातार एक के बाद एक निर्धारित की गई हैं। इससे विद्यार्थियों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इसके बाद देर शाम को परीक्षा नियंत्रक अमृत लाल ने परीक्षा का समय अब दोपहर दो से शाम पांच बजे तक रहने के निर्देश जारी किए हैं। जरूरी सूचनाओं से वंचित रह जाते हैं विद्यार्थी- विद्यार्थियों ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालय द्वारा महत्वपूर्ण सूचनाएं समय पर विश्वविद्यालय के आधिकारिक पोर्टल पर अपलोड नहीं की जाती हैं। इससे छात्रों में भ्रम की स्थिति उत्पन्न होती है और वे आवश्यक जानकारी से वंचित रह जाते हैं। पारदर्शिता व सूचना के अधिकार के दृष्टिकोण से यह सही नहीं है। रोजा रखने वाले विद्यार्थियों को होगी परेशानी- विद्यार्थियों ने कहा कि प्रस्तावित परीक्षा तिथियां रमजान के महीने के साथ शुरु हो रही हैं। मुस्लिम समुदाय के विद्यार्थी इस महीने में रोजा रखते हैं। इससे उनकी शारीरिक और मानसिक स्थिति परीक्षा देने के लिए उपयुक्त नहीं रह पाती। यह धार्मिक भावनाओं और शैक्षणिक न्याय दोनों के दृष्टिकोण से उचित नहीं है। इस दौरान सचिन चौधरी, कुशल शर्मा, संदीप यादव, मोहम्मद इमरान, महमूद, मोहम्मद अली, मेघा, आयुषी, साक्षी ठाकुर आदि मौजूद रहीं। मैं रामपुर के इमरता से केजीके कॉलेज में पढ़ने के लिए आता हूं। कुलपति से मुलाकात कर परीक्षाओं में अंतराल की मांग की तो उन्होंने कहा कि सत्र जुलाई-अगस्त से शुरु हुआ है। पढ़ाई के लिए काफी समय मिला है। -महमूद अली, छात्र- एकदम से परीक्षा कार्यक्रम जारी कर दिया है। परीक्षा के बीच में समय नहीं रखने की वजह से तैयारी में परेशानी आ रही है। डीएम को इस संबंध में ज्ञापन दिया जाएगा। -ममता यादव, छात्रा कुलपति से मुलाकात के दौरान हमारा मुद्दा था कि प्रति परीक्षा के बीच में कम से कम एक दिन का अंतराल रहना चाहिए। एक दिन का समय नहीं देना था तो कम से कम एक महीने पहले परीक्षा कार्यक्रम जारी करना चाहिए था। विश्वविद्यालय ने अपने सभी कार्य देरी से किए हैं, लेकिन हमें समय नहीं दे रहे हैं। विद्यार्थी निराश होकर लौटे हैं। -सचिन चौधरी, छात्र

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

डिलारी पुलिस ने शिवभक्तों कांवड़ियों का पुष्प वर्षा कर किया स्वागत, कराया जलपान और प्रसाद वितरण

क्यूँ न लिखूँ सच / डिलारी । जनपद मुरादाबाद के थाना डिलारी में डिलारी पुलिस प्रशासन ने शनिवार को शिवभक्तों का स्वागत कर जलपान एवं प्रसाद वितरण किया। महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर थाना डिलारी पुलिस प्रशासन द्वारा शिवभक्त कांवड़ियों के लिए विशेष जलपान एवं विश्राम की व्यवस्था की गई। इस सराहनीय पहल का उद्देश्य दूर-दराज से पैदल यात्रा कर रहे श्रद्धालुओं को सुविधा और सुरक्षा प्रदान करना रहा। कार्यक्रम के दौरान मुरादाबाद पुलिस के पुलिस अधीक्षक ग्रामीण कुंवर आकाश सिंह एवं क्षेत्र अधिकारी ठाकुरद्वारा आशीष प्रताप सिंह सहित थाना डिलारी प्रभारी के के भंगेला सहित थाना डिलारी पुलिस टीम सक्रिय रूप से मौजूद रही। अधिकारियों ने स्वयं व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और कांवड़ियों से संवाद कर उनका हालचाल जाना। पुलिस द्वारा लगाए गए शिविर में स्वच्छ पेयजल, शरबत, फल एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था की गई। साथ ही सुरक्षा के मद्देनज़र पुलिस बल लगातार तैनात रहा, जिससे यात्रा शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके। श्रद्धालुओं ने भी पुलिस प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए धन्यवाद किया।

मुठभेड़ में दो गोकश गिरफ्तार, एक को पैर में लगी गोली , पुलिसकर्मी भी घायल

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। भोजीपुरा पुलिस ने गोकशी करने के दो आरोपियों को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। जिसमें गिरफ्तार एक बदमाश को पैर में गोली लगी। गोकशी की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने ये कार्रवाई की है। बरेली। बीती आधी रात पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम सिघाई कायस्थान के जंगल में कुछ बदमाश गौकशी करने की फिराक में हैं। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो बदमाशों ने पुलिस पर ही फायर झोंक दिया। एक कॉन्स्टेबल को गोली हाथ से छूते हुए निकली जिसमें वह घायल हुआ। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई जो मौलागढ़, थाना भोजीपुरा क्षेत्र के रहने वाले राजू कुरैशी को लगी। मौके से राजू और उसके साथी इमरान कुरैशी निवासी धौराटांडा को भी गिरफ्तार किया गया। जिसके पास गोकशी के उपकरण बरामद हुए। घायल गोकश को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस के मुताबिक कार्रवाई के दौरान रात के अंधेरे का फायदा उठाकर गोकशी में शामिल पांच अन्य भागने में कामयाब रहे। जिसमें धौराटांडा का शकील, जहिद उर्स अंडा, जावेद व भोजीपुरा के गांव अलीनगर का जीशान और नदीम शामिल हैं। जिनकी तलाश की जा रही है। पकड़े गए इमरान ने पुलिस को बताया कि उसका साथी राजू कुरैशी, शकील अहमद, जाहिद उर्फ अंडा, जावेद अहमद, जीशान व नदीम मिलकर सड़क पर घूमने वाले गोवंशीय पशुओं को पकड़कर उनका मांस बेच देते हैं। इतना ही नहीं ये गिरोह रात को चोरी की घटनाओं को भी अंजाम देते हैं। सीओ हाईवे शिवम आशुतोष ने बताया कि घायल पुलिस कर्मी और गोकश को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है और फरार गोकशों की तलाश की जा रही है। उन्होंने बताया कि पकड़े गए बदमाशों का लंबा चौड़ा आपराधिक इतिहास है। राजू कुरैश के खिलाफ 20 से ज्यादा और शकील अहमद पर 5 से ज्यादा आपराधिक मुकदमें दर्ज हैं।

एसपी सिटी व एडीएम सिटी ने महाशिवरात्रि पर्व को लेकर शहर के मंदिरों का किया भ्रमण

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली । महाशिवरात्रि पर्व पर एसपी सिटी मानुष पारीक व एडीएम सिटी सौरभ दुबे ने महाशिवरात्रि पर्व के दृष्टिगत शहर के प्रमुख मंदिरों का भ्रमण कर तैयारियों का निरीक्षण किया । मंदिर परिसरों एवं आसपास की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था तथा श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए । पर्व के दौरान शांति, सुरक्षा संबंधित अधिकारियों को एवं सुचारु व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के लिए आपसी समन्वय के साथ प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बरेली पुलिस एवं प्रशासन द्वारा महाशिवरात्रि पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने हेतु कमर कस ली है।

शहर विधानसभा में केंद्रीय बजट परिचर्चा की गई

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। भारतीय जनता पार्टी शहर विधानसभा में केंद्रीय बजट परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया शहर विधानसभा का आयोजन अर्बन कोऑपरेटिव बैंक सभागार डी डी पुरम में आयोजित हुआ जिसमें मुख्य अतिथि वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ अरुण कुमार रहे मुख्य अतिथि डॉ अरुण कुमार ने कहा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में प्रस्तुत केंद्रीय बजट 2026-27 उत्तर प्रदेश के विकास, रोजगार और आत्मनिर्भरता को नई ऊंचाई देने वाला बजट है यह बजट राज्य को इंफ्रास्ट्रक्चर, उद्योग, कृषि और युवाओं को ग्रोथ बनाने की दिशा में निर्णायक कदम है केंद्र सरकार द्वारा जो बजट पेश किया गया है वह सराहनीय है विकास और आत्मनिर्भरता भारत, महिलाओं को सशक्तिकरण, निर्माण और उद्योग, कर सुधार बजट में कर सुधारकों के माध्यम से मध्यम वर्ग को राहत देने का प्रयास किया गया !व्यापारियों के हित में कई घोषणाएं की गई हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने स्स्थ्य के लिए ?10,000 करोड़ का ग्रोथ फंड बनाया है, जो उन्हें वित्तीय सहायता प्रदान करेगा। इसके अलावा व्यापारियों को सस्ते ऋण की सुविधा मिलेगी और जीएसटी प्रक्रियाओं को सरल बनाया जाएगा स्स्थ्य के लिए ग्रोथ फंड- ?10,000 करोड़ का फंड, जो स्स्थ्य को वित्तीय सहायता प्रदान करेगा। सस्ते ऋण,व्यापारियों को सस्ते ऋण की सुविधा मिलेगी जीएसटी सरलीकरण- जीएसटी प्रक्रियाओं को सरल बनाया जाएगा- आत्मनिर्भर फंड- ?4,000 करोड़ का आत्मनिर्भर फंड, जो व्यापारियों को वित्तीय सहायता प्रदान करेगा सांसद छत्रपाल गंगवार ने बजट के बारे में विस्तार से चर्चा की और केंद्र द्वारा जो बजट पेश किया गया है वह सराहनीय है जैसे कि स्स्थ्य के लिए ग्रोथ फंड या सस्ते ऋण की सुविधा, शिक्षा और स्वास्थ्य को भी बजट में शामिल किया गया है इसका लाभ सभी को मिलेगा उन्होंने विस्तार से बजट के बारे में बताया ह्न संचालन प्रितेश पांडे ने किया कार्यक्रम में प्रमुख रूप से वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉक्टर अरुण कुमार, सांसद छत्रपाल गंगवार, अनिल कुमार एडवोकेट, मनीष अग्रवाल, संयोजक विष्णु अग्रवाल, बंटी ठाकुर, रेखा श्रीवास्तव,पवन अरोड़ा, रोहित जिंदल, रामकृष्ण शुक्ला, अनिल अग्रवाल, दीपक द्विवेदी, शोभित सक्सैना, विशाल मल्होत्रा, सुदेश अग्रवाल, सुरेंद्र रस्तोगी, परमजीत सिंह , सुनील खत्री एवं समस्त महानगर पदाधिकारी पार्षदगण मौजूदरहे।

बारादरी पुलिस ने 315 बोर अवैध तमंचा सहित किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। महाशिवरात्रि पर्व को लेकर जिले में चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान बारादरी पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। देर रात चेकिंग के दौरान पुलिस ने एक शातिर हिस्ट्रीशीटर को अवैध असलाह के साथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के कब्जे से 315 बोर का तमंचा और दो जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। पुलिस के अनुसार 13/14 फरवरी की रात मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक संदिग्ध व्यक्ति विकास भवन के पीछे स्थित खंडहर की ओर जा रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी कर मौके पर दबिश दी। इसी दौरान कासिम उर्फ आशु निवासी आजमनगर को पकड़ लिया गया। तलाशी लेने पर उसके पास से अवैध तमंचा और कारतूस बरामद हुए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी क्षेत्र का हिस्ट्रीशीटर है और उसके खिलाफ पूर्व में भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। त्योहार के मद्देनजर जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में यह कार्रवाई की गई। आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है ।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

मदरसा बोर्ड की लिखित परीक्षा सेकेंडरी एवं सीनियर सेकेंडरी की परीक्षाएं संपन्न कराई गई

क्यूँ न लिखूँ सच / यूसुफ/ अंसार इंटर कॉलेज प्रिंस रोड मुरादाबाद उत्तर प्रदेश मदरसा बोर्ड की लिखित परीक्षा-2026 की सेकेंडरी एवं सीनियर सेकेंडरी की परीक्षाएं सफल रूप से संपन्न कराई गई। परीक्षा सफल बनाने में केंद्र व्यवस्थापक / प्रधानाचार्य की देख रेख वे निगरानी आदि श्री मेराज अनवर श्री जावेद अनवर, श्री हाशिम मलिक, डा0 नासिर परवेज, श्री मनोहर पाल सिंह, श्री सिकंदर आजम, श्री मुहम्मद अली खान, तथा परीक्षा में लगे समस्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों का सहयोग रहा।

नई दिल्ली-गोरखपुर के बीच एक और विशेष ट्रेन की समय सारिणी जारी , टिकटों की बुकिंग भी शुरू

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। रेलवे ने बरेली होते हुए नई दिल्ली-गोरखपुर के बीच एक और होली विशेष ट्रेन की समय सारिणी जारी की है। टिकटों की बुकिंग भी शुरू कर दी गई है। इसका संचालन 20 फरवरी से किया जाएगा। इस ट्रेन के संचालन से त्योहार पर घर जाने वाले यात्रियों को राहत मिलेगी। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज सिंह ने बताया कि 04022 नई दिल्ली-गोरखपुर होली विशेष गाड़ी 20 फरवरी से छह मार्च तक प्रत्येक शुक्रवार को नई दिल्ली से दोपहर दो बजे चलने के बाद शाम 7=22 बजे बरेली आएगी और अगले दिन सुबह पांच बजे गोरखपुर पहुंचेगी। 04021 गोरखपुर-नई दिल्ली विशेष गाड़ी 21 फरवरी से सात मार्च तक प्रत्येक शनिवार को गोरखपुर से सुबह सात बजे चलने के बाद शाम 5=50 बजे बरेली आएगी और रात 11=10 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी।

विधि छात्र के हत्या आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करने थाने पहुंचे अधिवक्ता

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / फरीदपुर बरेली । अधिवक्ता मनोज यादव के भाई एवं विधि छात्र योगेश यादव के हत्यारोपियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए वकीलों ने इंस्पेक्टर राधेश्याम से वार्ता की।

एक माह पहले फरीदपुर के नवादा बिलसंडी गांव के विधि छात्र योगेश यादव(20) की राम रहीस और उनके पक्ष के लोगों ने हत्या कर दी थी। योगेश के भाई मनोज ने ग्राम प्रधान रामरहीस,उनके भाई रामौतार,भतीजे सुमित,राम खिलाड़ी व पीके खिलाफ केस दर्ज कराया। मुख्य आरोपी सुमित समेत दो को गिरफ्तार करके जेल भेज दिए गए लेकिन अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई। शुक्रवार को सिविल न्यायालय बार एसोसिएशन के अधिवक्ता थाने पहुंचे। उन्होंने उन्होंने फरार चल रहे पूर्व प्रधान राम रहीम एवं अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की।

यहां अजय पाल सिंह यादव,रजनीश कश्यप, श्रवण कुमार शर्मा,प्रवीण सिंह भदौरिया ,बृजेश यादव ,सत्येंद्र मिश्रा, कुलदीप सक्सेना ,शाहिद हुसैन ,राकेश यादव अतुल परमार, विजय यादव, सूरजपाल,अनिशुद्दीन, अभिषेक सक्सेना,अंशु सक्सेना,मनोज कुमार जावेद खान ,मथुरा प्रसाद साहू, राहुल कश्यप , अवनीश शर्मा, पंकज शर्मा,विकास मिश्रा, पुष्पेंद्र श्रीवास्तव ,देवेश पांडे संजीव सिंह, धर्मेंद्र मौर्य, रामगोपाल, श्यामवीर, राजकुमार, हरमेश मौजूद रहे। दरोगा पर लगाया गलत भाषा बोलने का आरोप। वकीलों ने इंस्पेक्टर को बताया कि बीते दिनों साथी अधिवक्ता श्याम सिंह और उनके परिजनों पर दबंगों ने हमला बोल दिया। मुकदमा दर्ज करने के बाद पुलिस ने आरोपियों पर कार्रवाई नहीं की। उन्होंने दरोगा से आरोपियों पर कार्रवाई करने की मांग की। जिसके बाद दरोगा ने अधिवक्ता से अभद्र भाषा का प्रयोग किया।

नाम महिमा अपार आचार्य श्याम बिहारी : राधे राधे गोविंद, गोविंद राधे

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली । राजेंद्र नगर के बांके बिहारी मंदिर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के तृतीय दिवस में, वृंदावन धाम से पधारे आचार्य श्याम बिहारी चतुर्वेदी ने, बताया की कल्याण का साधन ही भागवत कथा है, कलयुग में जो कल्याण का सर्वश्रेष्ठ साधन कहा गया है , प्रसंग में उन्होंने बताया कि, एक अजामिल नाम के ब्राह्मण थे, जो कि बड़े ही कर्मकांडी थे, एक दिन हवन के लिए लकड़ी लेने के लिए जंगल की ओर गए, वहां किसी वेश्या देखा, वेश्या पर आसक्त हो गए, और वेश्या के साथ में उन्होंने विवाह कर लिया, और विवाह करने के पश्चात, उसी के साथ में रहने लगे, उनका संग ऐसा बिगड़ा की पूजा पाठ को छोड़कर, वह एक डाकू बन गए ,और घरों में लोगों के डांका डालने लगे चोरी करने लगे, वैश्या के साथ में 10 बच्चे हो गए, दसवां होने वाला था ,तभी वहां पर एक संत मंडली आती है, और संतों ने किसी व्यक्ति पूछा यहां कोई ऐसा भगत हो जिसके घर में जाकर के हम आज विश्राम कर सकें, व्यक्ति ने बताया अजामिल के यहां चले जाओ, अजामिल के घर पहुंचे, उस समय वेश्या घर पर थी, तो वैश्य ने कहा कि बाबा आपको किसने यहां पर भेजा है, यह तो डकैत का घर चोर का घर है, संतों ने कहा कभी-कभी बेटी गलती हो जाती है, कोई बात नहीं , इतना कहकर के संत लोग जाने लगे, तो वैश्या ने कहा कि, बाबा हमारे यहां से आप सूखा आटा दाल चावल ले लीजिए, क्योंकि हम पतित लोग हैं ,संतों ने उनका आटा दाल चावल ले लिया है, और सामने चूल्हा बना करके भोजन सिद्ध करने लगे हैं , बेटी से पूछा बेटी तेरे घर में कितने बच्चे हैं, पति क्या करता है, वैश्या ने कहा कि मेरे 9 बच्चे हैं, और दसवा पेट में है, और मेरे पति डांका डालते हैं, चोरी करते हैं, तब संतों ने सोचा कि इसके जीवन को कैसे सुधारा जाये, पति को बुलाकर के कहा के बेटा देखो आज हम तुम्हारे यहां का अन्य पाया हैं ,और संत लोग अगर किसी के घर का भोजन करते हैं ,तो उसे दक्षिणा लेते हैं ,और दक्षिण में संतों ने कहा कि तुम्हारा यदि कहीं दसवां बच्चा हो तो उसका नाम नारायण रख देना , नारायण नाम रख दिया , बार-बार छोटे वाले पुत्र पर ममता रही तो बार-बार नारायण नारायण कहने लगे हैं, और अंतिम समय आया, यमदूत पकड़ने के लिए आए, अजामिल दूतों देखकर के चिल्लाने लगा, बचाओ बेटा नारायण बचाओ नारायण का नाम लेते ही भगवान के पार्षद उनकी रक्षा करने के लिए आ गए, भगवान के पार्षदों यमदूत भगा दिये, दूतों से कहा के देखो और यह भगवान प्रभु का नारायण नाम ले चुका है, पाप से मुक्त हो गया है, इसलिए आप यहां से छोड़कर के जाएं, वहां छोड़कर चले गए , अजामिल सोचने लगा, मैंने तो अपने पुत्र का ही नाम लिया था ,यदि सच में भगवान का नाम लेता तो, आज मुझे यह दुर्दशा नहीं देखनी पड़ती, नाम की महिमा अपार है इसलिए अजामिल भव पार हो गया,भगवत धाम की अजामिल को प्राप्ति हुई, केवल नाम मात्र से कल्याण का जो सर्वश्रेष्ठ साधन कहा गया है वह श्रीमद् भागवत कथा ही है इस मौके पर शहर के बड़े ही वरिष्ठ लोग कथा सुनने पहुंच रहे हैं भजन गायक जगदीश भाटिया ,दीपक भाटिया, विनोद खंडेलवाल, विनीता सोनम खंडेलवाल, रजत खंडेलवाल आयुष सिंह, सीमा राठौर , राघवेंद्र राठौर आदि लोग कथा में मौजूद रहे !

महाशिवरात्रि से पहले घर में निकले छह कोबरा सांप, दहशत में आया परिवार; वन विभाग की टीम ने पकड़े

बरेली के शीशगढ़ कस्बे में मोहम्मद यासीन के घर में शनिवार को छह कोबरा सांप निकले। सांपों को देखकर परिवार के लोग दहशत में आ गए। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू कर सांपों को पकड़ा। इसके बाद शीशगढ़ कस्बे में शनिवार को परिवार में दहशत फैल गई। सूचना पर पहुंची और सांपों का रेस्क्यू सांप निकलने से मोहल्ले में दिनभर नगर वार्ड नंबर 14 के निवासी कुछ दिनों से लगातार वन विभाग घर में कई सांप है। शनिवार दोपहर सांप पकड़े हैं। घर की बुनियाद सुबह उनके घर की बुनियाद में विभाग को सूचित किया। सूचना मौर्य और सांप पकड़ने वाले राकेश शाम लगभग चार बजे तक चले सांप कोबरा प्रजाति के हैं। इसी पहली बार नहीं है जब मोहम्मद के हलका दरोगा छेदा लाल मौर्य

परिवार ने राहत की सांस ली। बरेली के एक घर से छह जहरीले सांप निकलने से मिलने के बाद वन विभाग की टीम मौके किया। महाशिवरात्रि से पहले घर में इतने कौतूहल बना रहा। कस्बे के मोहल्ला शरीफ मोहम्मद यासीन ने बताया कि वह पिछले केअधिकारियों को सूचना दे रहे थे कि उनके बाद वन विभाग की टीम ने छह जहरीले में थे सांप - मोहम्मद यासीन ने बताया कि काले सांप दिखाई दिए। उन्होंने तुरंत वन मिलते ही वन विभाग के दरोगा छेदा लाल कुमार मौके पर पहुंचे। सुबह 11 बजे से रेस्क्यू में घर से छह सांप पकड़े गए। सभी घर में पहले भी निकल चुके हैं सांप - यह यासीन के घर से सांप निकले हैं। वन विभाग ने बताया कि कुछ दिन पहले भी इसी घर से दो जहरीले सांप पकड़े गए थे। लगातार सांप निकलने से परिवार के लोग दहशत में हैं। समाज के लोग इसे तंत्र विद्या सहित कई तरह-तरह की बातों से जोड़कर देख रहे हैं। वन विभाग की टीम ने बताया कि इन सांपों को फतेहगंज के पास स्थित रबर फैक्टरी के जंगल में छोड़ा जाएगा। सांप पकड़ने के रेस्क्यू ऑपरेशन को देखने के लिए मोहल्ले वासियों की भीड़ जमा हो गई थी। मोहम्मद यासीन और उनके परिवार ने वन विभाग की टीम का आभार व्यक्त किया।

बिन दुल्हन लौटी बरात: विदाई से पहले खुला दूल्हे का ऐसा राज, पलट गई सारी कहानी; दबे पांव नौ दो ग्यारह हुए बराती

बाराबंकी में विदाई से पहले पता चला कि दूल्हा किन्नर है। फिर क्या था शादी समारोह में हंगामा मच गया। किन्नरों ने दूल्हे को अपने साथ ले जाने की कोशिश की। घंटों ड्रामा चला। बराती दबे पांव नौ दो ग्यारह हो गए। फिर, बिना दुल्हन बरात लौट गई। यूपी के बाराबंकी में कोठी थाना क्षेत्र के एक गांव में बरात में शनिवार सुबह हंगामा खड़ा हो गया। विदाई से पहले पता चला कि दूल्हा किन्नर है। यह जानकारी के मिलते ही अधिकांश बराती और दूल्हे पक्ष के लोग मौके से भाग खड़े हुए। लड़की पक्ष के लोगों ने दूल्हे और उसकी मां को धर लियालड़की के पिता के अनुसार, उनकी पुत्री का विवाह चार महीने पहले दिलौना निवासी बालचंद के पुत्र रिशु के साथ तय हुआ था। दो महीने पूर्व वरीक्षा और दिखाई की रस्में पूरी हो चुकी थीं और विवाह की तारीख 13 फरवरी निर्धारित थी। तय कार्यक्रम के अनुसार बारात आई और विवाह की रस्में संपन्न हुईं। शनिवार सुबह कुछ किन्नर वहां पहुंचे और दूल्हे को अपने समुदाय का बताते हुए उसे साथ ले जाने का प्रयास करने लगे। यह बात पता चलते ही लड़की पक्ष स्तब्ध रह गया। जैसे ही यह जानकारी सामने आई, बाराती तुरंत वापस लौट गए। लड़की पक्ष ने ग्राम प्रधान के माध्यम से दूल्हे के परिजनों को बुलाने का प्रयास किया, लेकिन देर शाम तक कोई नहीं पहुंचा। स्थिति स्पष्ट न होने पर परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों के मध्य पंचायत कराकर मामला सुलझाने की कोशिश की। देर शाम लड़के का मामा पहुंचे और आपसी सहमति से मामला सुलझा लिया गया, जिसके बाद बारात वापस चली गई। कोठी थाना प्रभारी अमित सिंह भदौरिया ने बताया कि सूचना मिलने पर दोनों पक्षों को बुलाकर समझौता करा दिया गया है।

देखें खौफनाक वीडियो: नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़, मस्जिद के पास खड़ा था मनचला; की खींचकर ले जाने की कोशिश

पुलिस के अनुसार नगर कोतवाली क्षेत्र के एक मोहल्ला निवासी तीन सगी नाबालिग बहनें ट्यूशन से घर लौट रही थीं। मोहल्ला भंडा पट्टी काजीवाड़ा में मस्जिद के पास एक किशोर ने इनमें से एक नाबालिग छात्रा का हाथ पकड़कर उसे खींचने की कोशिश किया। हाथ छोड़कर फरार हो गया। यूपी के हापुड़ नगर कोतवाली की घटना से हड़कंप मच गया। मोहल्ला भंडा पट्टी काजीवाड़ा खींचने की कोशिश की। युवती के शोर मचाने पर आरोपी जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया के अनुसार, नगर कोतवाली क्षेत्र के एक मोहल्ला निवासी तीन मोहल्ला भंडा पट्टी काजीवाड़ा में मस्जिद के पास एक किशोर प्रयास किया। छात्रा के शोर मचाने पर आरोपी घबराकर भाग शिकायत के बाद पुलिस ने फुटेज के आधार पर आरोपी की बाल अपचारी को लिया अभिरक्षा में- टना के संबंध में शिकायत के आधार पर आरोपी किशोर की पहचान कर ली कार्रवाई की जा रही है। इस घटना ने एक बार फिर शहर में की घटना ने बढ़ाई चिंता यह घटना दर्शाती है कि सार्वजनिक हो सकती हैं। पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई और सीसीटीवी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पीड़ित छात्रा के शोर मचाने

लेकिन छात्रा ने शोर मचा दिया, जिससे घबराकर आरोपी उसका क्षेत्र में कोचिंग से लौट रही नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ के प्रयास में मस्जिद के पास एक किशोर ने छात्रा का हाथ पकड़कर उसे मौके से फरार हो गया। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, है।ट्यूशन पढ़कर घर लौट रही थीं तीन नाबालिग बहनें- पुलिस सगी नाबालिग बहनें ट्यूशन पढ़कर घर लौट रही थीं। इसी दौरान ने उनमें से एक छात्रा का हाथ पकड़ लिया और उसे खींचने का गया। यह पूरी घटना पास लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। पहचान मोहल्ला गढ़ गेट के एक किशोर के रूप में की है।पुलिस ने सीओ वरुण कुमार मिश्रा ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज और गई है। उसे अभिरक्षा में ले लिया गया है। मामले में आगे की छात्राओं की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं।छेड़छाड़ के प्रयास स्थानों पर किशोरों द्वारा की जाने वाली ऐसी हरकतें कितनी गंभीर फुटेज का उपयोग इस तरह के अपराधों पर अंकुश लगाने में और सीसीटीवी कैमरे का होना, पुलिस को आरोपी तक पहुंचने में सहायक साबित हुआ। पुलिस ने इस मामले में तत्परता दिखाते हुए आरोपी को पकड़ लिया है, जो सराहनीय है।

मोहब्बत की भागम-भाग: पहले दामाद अब जीजा संग भागी सास, पिता ने कर ली दूसरी शादी; पर कब सजेगा बेटी का मंडप?

वैसे तो रिश्तों के सवाल रीजनिंग में लोगों की मानसिक प्रतिभा को जानने के लिए किए जाते हैं, लेकिन अलीगढ़ की घटना ने इसे कुछ इस तरह से हिला दिया है कि अब कोई इसका गणित समझ नहीं पा रहा। जिससे लड़की की शादी होनी थी उसके साथ होने वाली सास खुद चली गई, तो इस रिश्ते को क्या नाम दिया जाएगा? अब बात सामने आ रही है कि महिला उसके बाद अपने जीजा के पास चली गई तो इस रिश्ते का क्या नाम होगा? इस घटना ने रिश्तों को इतना उलझा दिया है कि रिश्तों की %सोशल इंजीनियरिंग% हिलती हुई सी नजर आ रही है।उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में सास-दामाद वाली लव स्टोरी एक बार फिर सुर्खियों में है। करीब 10 महीने पहले शुरू हुई इस अनोखी प्रेम कहानी में, दामाद राहुल को अपनी होने वाली सास अनीता देवी से दिल लग गया। बात इतनी आगे बढ़ी कि दोनों ने समाज और परिवार की परवाह किए बिना साथ रहने का फैसला कर लिया। इसके बाद राहुल, अनीता देवी को उनके घर से लेकर चला गया।दोनों साथ रहने की कही थी बात- इस मामले में अनीता देवी के पूर्व पति जितेंद्र ने थाना मडराक में दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस हरकत में आई और कुछ ही समय में दोनों को हिरासत में ले लिया गया था। हालांकि पूछताछ के दौरान अनीता देवी और राहुल ने साफ कहा कि वे अपनी मर्जी से साथ रहना चाहते हैं और एक-दूसरे से प्यार करते हैं। उनका कहना था कि किसी ने उन्हें मजबूर नहीं किया, बल्कि यह उनका आपसी फैसला है।अनीता जीजा संग हुई फरार अब करीब 10 महीने बाद इस मामले एक नया मोड़ ले लिया है। दोनों की मोहब्बत के बीच में दरार आ चुकी है। दोनों एक दूसरे से अलग भी हो चुके हैं।

अब इस कहानी में एक नए किरदार की एंट्री हो चुकी है। इस बार यह महिला का जीजा है। राहुल का आरोप है कि महिला अपने जीजा देवेंद्र के साथ फरार हो गई है। इतना ही नहीं जिस घर में दोनों रहते थे वहां से वह दो लाख रुपये नकद और जेवर साथ ले गई। राहुल ने पुलिस में गुहार लगाई है। अनीता ने लगाए राहुल पर गंभीर आरोप- वहीं सास ने भी पूर्व प्रेमी राहुल पर आरोप लगाए हैं। जो बेहद गंभीर भी हैं। अनीत का आरोप है कि राहुल उसे बंधक बनाकर पीटता था। जो गहने और रुपये वह साथ ले गई थी उसने सब हड़प लिया। महिला ने कहा कि जब मैं उसके साथ गई थी करीब एक माह तक तो उसने सही रखा, उसके बाद वो पता नहीं क्या-क्या खिलाने लगा। मुझे कुछ पता नहीं रहता था। मुझे ताले में बंद रखता है। मैं जो अपने साथ लेकर गई थी, वो सबकुछ हड़प लिया उसने। टॉयलेट भी अंदर ही करती थी। मेरे साथ बहुत मारपीट करता था। आधा किलो चांदी उसकी मां के पास है। अब वह राहुल के साथ अब कभी नहीं रहूंगी। मेरे जीजा पर लगे गलत आरोप, वह गरीब आदमी- अनीत ने आरोप लगाया कि राहुल महिलाओं को बेचता था। महिलाओं का धंधा करता है। मुझे अपने किये पर बहुत पछतावा है। एक पड़ोसी महिला की मदद से वह बचकर निकली और अलीगढ़ आई थी। मेरे जीजा पर गलत आरोप लगा रहा है। वो गरीब आदमी हैं। उसने कई लड़कियों की जिंदगी बर्बाद कर दी। उसे सजा होनी चाहिए। उसे जेल होनी चाहिए।ऐसे शुरू हुई थी अनीत और राहुल लव स्टोरी- थाना दादों के गांव मछरिया नगला निवासी राहुल कुमार की शादी अप्रैल 2025 में थाना मडराक के गांव मनोहरपुर में तय हुई थी। सगाई के बाद उसकी होने वाली सास सपना देवी के साथ मोबाइल पर बात होने लगी। बातचीत का सिलसिला बढ़ा और धीरे-धीरे दामाद-सास की नजदीकियां प्यार में बदल गईं। राहुल और पुलिस के अनुसार विवाह से करीब 12 दिन पहले सपना देवी पति, परिवार को छोड़कर वह उसके पास चली आई थीं।पुलिस ने क्यों छोड़ा था?- पति ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी, पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए बिहार सहित कई राज्यों में दबिश दी। इसके बाद दोनों स्वयं दादों थाने पहुंचे। वहां से दोनों को मडराक थाने बुलाया गया, जहां सास और दामाद ने एक-दूसरे के साथ रहने की बात स्वीकार करते हुए जीवन भर साथ निभाने की कसमें खाईं। दोनों की सहमति और लिखित बयान के बाद छोड़ दिया गया और दोनों साथ रहने चले गए।

संक्षिप्त समाचार

हाईकोर्ट के आदेश पर कड़ी सुरक्षा के बीच संत रविदास आश्रम की पैमाइश

नेशनल हाईवे-19 के किनारे ग्राम पंचायत कुशगवा बादशाहपुर में संत रविदास आश्रम है। इकदिल नेशनल हाईवे-19 के किनारे ग्राम पंचायत कुशगवा बादशाहपुर स्थित प्राचीन संत रविदास आश्रम की भूमि को लेकर

प्रशासन ने हाईकोर्ट के आदेश पर निर्णायक कदम उठाया है। शनिवार को तहसीलदार दिलीप कुमार भरथना के नेतृत्व में राजस्व, पीडब्ल्यूडी और नेशनल हाईवे अथॉरिटी की संयुक्त टीम ने विवादित क्षेत्र की पैमाइश की। इस दौरान लगभग 560 वर्ग मीटर एनएचएआई और करीब 500 वर्ग मीटर पीडब्ल्यूडी की भूमि को चिह्नित कर सरकारी कब्जा घोषित किया गया।सरकारी बोर्ड लगाकर भूमि सुरक्षित की गई हाईकोर्ट के संज्ञान के बाद प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए विवादित भूमि पर सरकारी बोर्ड लगा दिया। आश्रम के चारों ओर खंभे गाड़कर तार से फेंसिंग कराते हुए जगह को पूरी तरह सुरक्षित कर लिया गया। पैमाइश के दौरान ग्रामीणों ने आश्रम की प्राचीनता और वहां स्थापित महापुरुषों की प्रतिमाओं का मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि आश्रम में बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर, भगवान बुद्ध एवं संत शिरोमणि रविदास महाराज की प्रतिमाएं स्थापित हैं।जनभावनाओं का सम्मान, बाबा साहब के लिए नई भूमि प्रशासन ने जनभावनाओं का सम्मान करते हुए सकारात्मक रुख अपनाया है। अधिकारियों ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि महापुरुषों के सम्मान के साथ कोई समझौता नहीं होगा। बाबा साहब की प्रतिमा की स्थापना के लिए ग्राम पंचायत में ही अन्य उपयुक्त भूमि सुरक्षित कर दी गई है। क्षेत्र में किसी भी प्रकार के तनाव को रोकने के लिए पुलिस बल मौके पर तैनात रहा।

हाथी ने हमला करके मां को मार डाला, दो बेटे गंभीर रूप से घायल; इलाज कराकर बाइक से लौट रहे थे घर

बहराइच में टस्कर हाथी ने हमला करके मां को मार डाला।

जबकि, दो बेटे गंभीर रूप से घायल हो गए। ये तीनों अस्पताल से इलाज कराकर बाइक से घर लौट रहे थे। रास्ते में घटना हो गई।यूपी के बहराइच में शनिवार को कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के बिछिया-मिहीपुरवा मार्ग पर टस्कर हाथी ने हमला करके महिला को मार डाला। जबकि, उसके दो बेटे घायल हो गए। यह लोग बाइक से निकल रहे थे। सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने घटना की जानकारी ली।मूल रूप से लखीमपुर खीरी जिले के पारस पुरवा गांव निवासी मुन्नी देवी (45) पत्नी विक्रम निषाद अपने दो बेटों करन (17) और अर्जुन (15) के साथ बाइक से इलाज के लिए मिहींपुरवा के खालेपुरवा गांव गई थीं। दोपहर बाद करीब 3.00 बजे तीनों मिहीपुरवा-बिछिया हाईवे से होकर वापस घर लौट रहे थे। निशानगाड़ा और बिछिया के बीच सड़क पर अचानक एक टस्कर हाथी सामने आ गया।प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हाथी ने बाइक पर हमला कर दिया। इससे तीनों सड़क पर गिर गए। राहगीरों के शोर मचाने पर हाथी मौके से हट गया। इसके बाद बिछिया निवासी गोले कुरैशी और आंबा गांव निवासी वारिश अली ने घायलों को सवारी बस से बिछिया स्थित एक निजी चिकित्सक के पास पहुंचाया। क्लीनिक में डॉक्टर ने मुन्नी देवी को मृत घोषित कर दिया। महिला के दोनों बेटों के हाथ व शरीर में गंभीर चोटें आई हैं। सूचना पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। क्षेत्र में लोगों को सतर्क रहने की हिदायत दी जा रही है। घटना से इलाके में दहशत का माहौल है।

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश . उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

हत्या के दो आरोपियों को आजीवन कारावास कोतवाली थाना के बहुचर्चित मामले में अदालत का फैसला

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। थाना कोतवाली के अपराध क्रमांक 390/24 धारा 302 भादवि (हत्या) के बहुचर्चित प्रकरण में माननीय न्यायालय ने दो आरोपियों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास एवं पांच-पांच हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। न्यायालय ने 13 फरवरी 2026 को अपना निर्णय सुनाया। प्रकरण के अनुसार 26 मई 2024 को पुलिस को सूचना मिली थी कि बड़ौदी न्यू मुरम सड़क

पर वासुदेव धाकड़ (42 वर्ष), निवासी रातौर हाल माधव नगर, शिवपुरी का शव पड़ा हुआ है। मृतक के शरीर पर चाकू के गंभीर घाव थे तथा गला कटा हुआ पाया गया था। सूचना पर थाना कोतवाली में अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध धारा 302 भादवि के तहत मामला दर्ज किया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री अमन सिंह राठौड़ ने आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संजीव मुले एवं एसडीओपी शिवपुरी श्री संजय चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में तत्कालीन थाना प्रभारी निरीक्षक रोहित दुबे के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर जांच प्रारंभ की गई। विवेचना के दौरान पुलिस ने तकनीकी साक्ष्य जुटाए और घटना में प्रयुक्त चाकू, मोटरसाइकिल व मोबाइल फोन जब्त किए। जांच के आधार पर आरोपी रामबाई धाकड़ निवासी ग्रहरवारा थाना तेंदुआ एवं रुपसिंह धाकड़ निवासी दुल्हारा थाना बैराड़ को चिन्हित कर गिरफ्तार किया गया और न्यायालय में पेश किया गया। विचारण के दौरान वर्तमान थाना प्रभारी निरीक्षक कृपाल सिंह राठौड़ द्वारा साक्षियों को नियत तिथियों पर न्यायालय में प्रस्तुत कराया गया। शासन की ओर से लोक अभियोजक श्री धीरज जामदार ने प्रभावी पैरवी की। साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर न्यायालय ने दोनों आरोपियों को दोषसिद्ध पाते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। मृतक के परिजनों ने न्यायालय के निर्णय पर संतोष व्यक्त करते हुए कोतवाली पुलिस का आभार जताया। पुलिस अधीक्षक द्वारा पूरे प्रकरण की लगातार निगरानी की जाती रही। इस कार्रवाई में थाना कोतवाली पुलिस, साइबर सेल तथा अभियोजन पक्ष के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की विशेष भूमिका रही।

दोस्ती कर युवक से बनाए संबंध, फिर वसूले 10 लाख रुपये, बरेली में हनीट्रैप करने वाली महिला गिरफ्तार

पति से अलगाव हुआ तो एक महिला ने हनीट्रैप को कमाई का जरिया बना लिया। उसने एक युवक को प्रेमजाल में फंसाकर उससे संबंध बनाए। फिर ब्लैकमेल कर उससे दस लाख रुपये वसूल लिए। महिला ने उससे 12 और मांगे तो पीड़ित रिपोर्ट दर्ज करा दी। पुलिस ने आरोपी गिरफ्तार कर लिया। महिला ने हनीट्रैप में युवक से नजदीकी युवक के साथ संबंध फिर दुष्कर्म के फंसाने की धमकी लाख रुपये वसूल

लाख रुपये युवक ने इसके बाद महिला को बरेली में एक फंसाकर बढ़ाई। उसने बनाए और मामले में देकर 10 लिए। बाद में मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर 12 लाख रुपये और मांगे। पीड़ित युवक ने प्रेमनगर थाना पुलिस से महिला और गिरोह के खिलाफ तहरीर दी। इस पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर महिला को गिरफ्तार कर लिया।पीड़ित ने पूजा समेत तीन पर दर्ज कराई थी रिपोर्ट -प्रेमनगर के इंद्रानगर निवासी युवक ने बताया कि इज्जतनगर के वीरसावरकर नगर निवासी पूजा शर्मा ने हनीट्रैप में फंसाकर दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराने की धमकी देकर उससे दस लाख रुपये ले लिए। इसके बाद पूजा 12 लाख रुपये की डिमांड करने लगी। मनीष की शिकायत पर पूजा समेत तीन लोगों के खिलाफ प्रेमनगर थाने में मामला दर्ज किया गया है। शनिवार को पुलिस ने आरोपी पूजा को गिरफ्तार कर लिया। उसे कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि महिला के साथियों की तलाश की जा रही है। पूजा के पास से मोबाइल बरामद हुआ है, जिसकी जांच पड़ताल की जा रही है। पति से अलगाव हुआ तो लोगों को करने लगी हनीट्रैप- पुलिस के मुताबिक पूछताछ में पूजा ने बताया कि उसका पति से अलगाव हो गया है। वह दो छोटी बच्चियों के साथ अलग रह रही है। आय का कोई साधन नहीं है। इसी बीच युवक से उसकी मुलाकात हो गई। जब मनीष से उसने नजदीकी बढ़ाई तो खर्चा मिलने लगा। कई जगह बाहर घूमने भी गई। मौज मस्ती करने के बाद पूजा ने दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराने की धमकी देकर उससे दस लाख रुपये ले लिए। दस लाख रुपये लेने के लिए पूजा ने मनीष के खिलाफ फर्जी शिकायत भी की थी। जब लाखों रुपये मिले तो पूजा को लालच आ गया। इसके बाद पूजा ने बारह लाख रुपये की डिमांड रख दी। इसके बाद मनीष ने मामला दर्ज करा दिया।

एटीएम में प्लेट लगाकर रुपये चुराने वाले सरगना सहित पांच गिरफ्तार

एटीएम में प्लेट लगाकर रुपये चुराने वाले सरगना सहित पांच लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आस-पास के जिलों सहित दिल्ली, मुंबई, गुजरात में वारदात करने की बात कुबूली है। सीओ भोगनीपुर संजय वर्मा ने बताया पर भोगनीपुर थानाध्यक्ष अमरेंद्र टीम के साथ पिलखनी रोड स्थित के पास बनी दुकानों में छापा मारा। बंटवारा कर रहे डेरापुर थाना क्षेत्र कुलदीप, बहेरी निवासी विपिन बिधनू थाना क्षेत्र के दलेलपुर आरोपियों के पास से 7400 रुपये, चाकू आदि बरामद किया।पूछताछ लोग एटीएम में छेड़छाड़ कर रुपये से वह मशीन में रुपये निकलने या गोंद लगाकर फंसा देते हैं। उनके खाते से धनराशि कटने के प्लेट में ही चिपक जाते हैं। ग्राहक सन्नाटा हो जाता था तो वह प्लेट को शक न हो इसके लिए मशीन देते थे। वह लोग करीब एक साल कन्नौज, औरैया, इटावा, दिल्ली, आदि जगहों पर इसी तरह एटीएम

कि शनिवार को मुखबिर की सूचना बहादुर सिंह के नेतृत्व में पुलिस अल्कापुरी कॉलोनी के ट्यूबवेल पुलिस ने चोरी के रुपयों का के कटेही निवासी शरद कुमार, कुमार, रिंकू व कानपुर नगर के निवासी सितेंद्र को गिरफ्तार किया। चिपचिपा पदार्थ लगी हुई प्लेट, में आरोपियों ने बताया कि वह चोरी करते हैं। करीब एक साल वाले स्थान पर प्लेट में फेवीक्विक जब लोग रुपये निकालते हैं तो बाद भी रुपये बाहर आने की जगह के जाने के बाद बूथ में जब बूथ में हटाकर रुपये निकाल लेते थे। किसी में लगाई गोंद को चाकू से हटा से कानपुर देहात, कानपुर नगर, नोएडा, अहमदाबाद, गुजरात, मुंबई में छेड़छाड़ कर रुपये चोरी करते आ रहे हैं। सीओ ने बताया कि 12 फरवरी को उनलोगों ने भोगनीपुर चौराहा स्थित पेट्रोल पंप के पास के एटीएम बूथ में छेड़छाड़ कर चोरी की थी। शनिवार को उसी चोरी के रुपये का बंटवारा करने के दौरान पुलिस ने पकड़ लिया। पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट में पेश किया है, वहां से सभी को जेल भेजा गया है। एटीएम में छेड़छाड़ करने वाले गिरोह के पांच सदस्यों को पकड़ा गया है। आरोपी एटीएम बूथों से ग्राहकों की छोटी-छोटी धनराशि चोरी करने का कार्य काफी समय से कर रहे थे। गिरोह की ओर से जिले में इस तरह की पहली घटना किए जाने का मामला सामने आने पर सीसीटीवी फुटेज व अन्य साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की गई है। गिरोह के अन्य सदस्यों के बारे में जानकारी की जा रही है। जल्द ही उनपर भी कार्रवाई की जाएगी। - श्रद्धा नरेंद्र पांडेय, एसपी

चुनावों की तैयारी में जुटी भाजपा, प्रदेश में शुरू हुआ प्रशिक्षण महाभियान; बूथ मजबूत करने की कोशिश

यूपी भाजपा आने वाले विधानसभा और पंचायत चुनाव को लेकर तैयारियों में जुट गई है। इसके लिए लखनऊ में विशेष प्रशिक्षण की शुरुआत हो गई।भारतीय जनता पार्टी ने पंचायत और विधानसभा चुनावों से पहले संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत शुरू किया है। इसी कड़ी में लखनऊ के बाबू बनारसी स्तरीय कार्यशाला में वरिष्ठ नेताओं ने कार्यकर्ताओं नीतियां प्रभावी ढंग से पहुंचाने का मंत्र दिया।कार्यशाला राष्ट्रीय संयोजक ओम प्रकाश धनखड़ ने कहा कि होगा, उसी दिन आपका विकास भी रुक जाएगा। लिए ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि यह प्रभावी बनाएगा।इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष पंकज रूप से सशक्त, अनुशासित और सेवा भाव से ओत-माध्यम से बूथ स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक और जनसेवा के मूल मंत्र से जोड़ा जा रहा है। इससे में मील का पत्थर सिद्ध होगा। बनाई गई योजना-को संगठनात्मक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए संगठन की वास्तविक शक्ति होते हैं। प्रशिक्षण का होगा। जबकि जिला स्तर पर दो दिन व मंडल जबकि बूथ स्तर पर दो सत्रों में वर्ग आयोजित किए

करने के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान दास विश्वविद्यालय के सभागार में शनिवार को आयोजित राज्य को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच बनाकर पार्टी की का शुभारंभ करते हुए राष्ट्रीय मंत्री एवं प्रशिक्षण महाभियान के जो सीखता है वही आगे बढ़ता है। जिस दिन सीखना बंद धनखड़ ने प्रशिक्षण महाअभियान को संगठन सशक्तिकरण के भाजपा को बूथ स्तर तक और अधिक संगठित, सक्रिय और चौधरी ने कहा कि यह अभियान कार्यकर्ताओं को वैचारिक प्रोत बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। प्रशिक्षण महाअभियान के कार्यकर्ताओं को संगठन की कार्यपद्धति, सरकार की नीतियों संगठन की मजबूती, विस्तार और अंत्योदय के लक्ष्य की प्राप्ति प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने प्रशिक्षण महाअभियान कहा कि बूथ स्तर तक सक्रिय और प्रशिक्षित कार्यकर्ता ही महाभियान के अन्तर्गत प्रदेश स्तरीय प्रशिक्षण वर्ग तीन दिन स्तर चौबीस घंटे की प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की जाएगी, जाएंगे। प्रशिक्षण महाभियान के उत्तर पूर्व क्षेत्र (उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार) के प्रभारी व सांसद अमर पाल मौर्य ने पीपीटी के माध्यम से पूरे प्रशिक्षण अभियान के संदर्भ में विस्तारपूर्वक चर्चा करते हुए रूपरेखा साझा की। उत्तराखंड के पूर्व महामंत्री राजू भंडारी ने भी प्रशिक्षण महाभियान के संदर्भ में कार्यशाला को संबोधित किया। वहीं, एमएलसी अनूप गुप्ता को महाभियान के लिए प्रदेश संयोजक बनाया गया है। जबकि प्रदेश उपाध्यक्ष बृज बहादुर, त्रयम्बक त्रिपाठी, पूर्व केन्द्रीय मंत्री रामशंकर कठेरिया, पूर्व सांसद राजेन्द्र अग्रवाल, विभाग/प्रकोष्ठ के संयोजक ओमप्रकाश श्रीवास्तव, प्रदेश मंत्री मीना चौबे और सोशल मीडिया प्रदेश संयोजक अंकित सिंह चन्देल को सहसंयोजक बनाया गया है।

संक्षिप्त समाचार

62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा द्वारा मानव चिकित्सा शिविर का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती कमांडेंट 62वीं वाहिनी, एसएसबी भिनगा के दिशा-निर्देशन में 'बी' समवाय ककरदरी के

कार्यक्षेत्र अंतर्गत ग्राम ककरदरी में निःशुल्क मानव चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में डॉ. कल्पना महादेव पाटील सहायक कमान्डेंट(चिकित्साधिकारी) द्वारा ककरदारी गॉव के कुल 84 ग्रामीणों को परामर्श के साथ निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया गया।

चिकित्सा शिविर में सामान्य स्वास्थ्य जांच, रक्तचाप परीक्षण, सर्दी-जुकाम, बुखार, त्वचा रोग, शारीरिक कमजोरी एवं अन्य सामान्य बीमारियों का उपचार किया गया। साथ ही ग्रामीणों को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक परामर्श एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।

इस अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों ने 62वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल द्वारा आयोजित इस जन कल्याणकारी पहल की सराहना की तथा भविष्य में भी ऐसे शिविरों के आयोजन की अपेक्षा व्यक्त की।

तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से 55 वर्षीय व्यक्ति गंभीर घायल, सीएचसी में भर्ती

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। थाना मल्हीपुर क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत रामपुर निवासी छोटू पुत्र द्वारका प्रसाद 55 वर्ष को एक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार छोटू किसी निजी कार्य से जमुनहा-बहराइच मार्ग स्थित कानीबोझी गए हुए थे। बताया जाता है कि इसी दौरान मल्हीपुर की ओर से तेज रफ्तार में आ रही एक बाइक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि छोटू सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना वहां मौजूद ग्रामीणों ने तत्काल 108 एंबुलेंस सेवा को दी। सूचना मिलते ही एंबुलेंस संख्या यूपी 32 बीजी 8816 मौके पर पहुंची। एंबुलेंस में तैनात ईएमटी अरविंद कुमार पांडेय एवं पायलट सुरजीत तिवारी ने घायल को प्राथमिक सहायता देते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मल्हीपुर पहुंचाया। सीएचसी मल्हीपुर में डॉक्टरों द्वारा घायल का प्राथमिक उपचार किया जा रहा है।

सड़क हादसों में भाई बहन समेत पांच लोग घायल

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती दो अलग अलग सड़क हादसों में भाई बहन समेत पांच लोग घायल हो गए। घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां से तीन की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। हरदत्त नगर गिरंट थाना क्षेत्र के देवरनिया गांव निवासी आशिया (18) पुत्री मन्नू खां, नाजमा (45) पत्नी मन्नू खां शुक्रवार को पुत्र रियाज (27) के साथ बाइक से भिनगा आ रही थी। नरैनापुर गांव के पास पहुंचते ही सामने से आ रहे दूसरे बाइक सवार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में तीनों गंभीररूप से घायल हो गए। लोगों की सूचना पर पहुंची एम्बुलेंस से तीनों घायलों को सीएचसी मल्हीपुर में भर्ती कराया गया। जहां उनकी हालत गंभीर देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल भिनगा रेफर कर दिया गया। इसी तरह इकौना थाना क्षेत्र के भिनगा मार्ग पर महादा मोड़ के पास गुरुवार रात बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गई। हादसे में बाइक सवार इसी थाना क्षेत्र के ग्राम अंधरपुरवा निवासी लोकेश कुमार (18) पुत्र चेतराम व कोटवा इमलिया निवासी आत्माराम विश्वकर्मा (42) पुत्र मुन्नाराम गम्भीर रूप से घायल हो गए। लोगों की ओर से दोनों को एम्बुलेंस की मदद से सीएचसी इकौना में भर्ती कराया गया। बताया जाता है कि दोनों इकौना से एक ही बाइक से घर लौट रहे थे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

Troubled by insomnia? Try the viral trend of 'dark showering', you'll find relief without any expense.

Insomnia is a common problem these days. To overcome this problem, people resort to various remedies, medications, or wellness trends. Meanwhile, a new trend called 'dark showering' is going viral on social media to improve sleep. Let's learn about it in this article. Most people suffer from insomnia. Lack of sleep is caused by poor lifestyle habits. Adopt dark showering for better sleep. Sleeplessness due to poor lifestyle habits is now common. Meanwhile, the trend of 'dark showering' is gaining popularity on social media. This strange-sounding method is being touted as a panacea for stress reduction and better sleep. Let's find out how it works and is it really safe? What is dark showering? As the name suggests, it means bathing in darkness or very dim light. It is believed to calm our senses and signal relaxation to the mind. This isn't just a trend; it's deeply connected to Ayurveda. Ayurveda considers bathing a sacred ritual, so some people are attributing it to that tradition. Why is this trend growing? Due to busy lifestyles, most people are struggling with sleep problems. Many people sometimes experience problems like insomnia, frequent awakenings, or fatigue throughout the day. In this context, "dark showering" is emerging as a simple and effective solution. This method calms the mind and puts the body into deep sleep mode at no cost. This is why everyone wants to try this zero-cost therapy. Benefits of dark showering: Improves sleep quality. Dark showers prove to be very beneficial for those suffering from insomnia. Taking a dark shower increases the body temperature rapidly, and after the shower, the temperature returns to normal, which helps in falling asleep quickly. Additionally, being in the dark increases melatonin (the sleep hormone), which calms the mind and helps you fall asleep faster. This is a smart and scientific way to achieve sleep without medication. Beneficial for mental health: Showering in the dark is no less than meditation. It reduces the stress-inducing hormone cortisol, which calms the mind. When we can't see, our focus remains on the warmth of the water, the scent of the cleanser, and the sound of the shower, which helps reduce stress and provides a relaxing feeling. Dark showers are not a magic solution. Dark showers are not an overnight solution to sleep problems. If you consider them a burden or do them in a hurry, they will not be beneficial. Those with serious sleep problems should definitely consult a doctor. You should approach dark showers as a relaxing experience, not a stressful one.

Saying "yes" to everything isn't a virtue, but rather a disease. Do you also suffer from "Good Girl Syndrome"?

Do you think saying "yes" to everything and always smiling is the hallmark of a good girl? This society's demand for perfection is called "Good Girl Syndrome." This very thing is eroding both the health and identity of women today. Let's find out how. Girls are always advised to be perfect. Society places a burden of expectations on them. Mental fatigue and stress are the hallmarks of "Good Girl Syndrome." Today, society has created unspoken rules for girls that are nearly impossible to follow. A girl is expected to look beautiful but not retaliate, to achieve great heights in her career but never forget her home, and to always keep a smile on her face, no matter the pain. The burden of these expectations is called "Good Girl Syndrome." It's the result of childhood praise, where you were called a good girl for quietly obeying and putting others first. Today, the tag of "good girl" has become a burden, robbing girls of their true identity and pushing them toward mental fatigue and stress. Let's explore how it affects them. Society has created unspoken rules for girls today that are nearly impossible to follow. A girl is expected to look beautiful but not reciprocate, to achieve great heights in her career but never forget her home, and to always have a smile on her face, no matter the pain. The burden of these expectations is called "good girl syndrome." It's the result of childhood praise, where you were called a "good girl" for being submissive and putting others first. Today, the tag of "good girl" has become a burden, robbing girls of their true identity and pushing them toward mental fatigue and stress. Let's explore how it affects them. Hormonal Imbalance and Fatigue When your body spends its energy constantly adapting to society instead of healing itself, hormonal imbalance is bound to be disrupted. Your energy is wasted not on recovery but on fighting the situation, which exhausts you from within. Anxiety and Emotional Hurt - Constantly striving to appear good in the eyes of others never allows you to be happy. In this pursuit of appearance, you lose your true identity and leave no room for peace. Always trying to please others can be emotionally hurtful. Digestive Problems - When we keep our thoughts to ourselves, it directly affects our digestion, leading to problems like acidity, bloating, and IBS. Therefore, it is extremely important to clear our mind to stay healthy. Stress and High Cortisol - The habit of trying to please others constantly puts your nervous system at risk. When you are unable to say no, the level of cortisol, the stress hormone, increases in the body, which can be harmful to your health. Thyroid Imbalance - If you suppress your voice and anger, it has the worst effect on your thyroid. Not expressing your emotions disrupts hormonal balance. Ways to avoid this: First, learn to love yourself. Prioritize yourself; don't be bound by societal expectations. Accept your shortcomings. Recognize your strengths, interests, and goals. Always maintain a positive mindset and motivate yourself to move forward. Set some limits for yourself and respect them.

No more trips to the parlor! Set your eyebrows at home with this special gel, making them look completely natural and perfect.

Eyebrow gel is a great option for giving your eyebrows a more precise and better shape. If your eyebrows don't look full or uniform, this gel can help you achieve that look. Cleanse your eyebrows and brush them upwards. Use a small amount of gel to create a natural shape. Choose a gel with castor oil for nourishment. Even with perfect eye makeup, if your eyebrows aren't properly set, they can look incomplete. In such situations, eyebrow gel can be effective, especially for those with scattered or unevenly set eyebrow hairs. In this article, we'll learn how to style your eyebrows with this gel. Cleanse first: Before applying any product to your eyebrows, it's important to clean them. They should be free of oil or makeup. This will help the gel work more effectively and last longer. Brush your eyebrows upwards. Use an eyebrow brush to brush your eyebrows upwards. This will create a fuller and more defined look. Now you have a good base for applying eyebrow gel. This will make your eyebrows look more natural. Use just a little – you don't need a large amount of gel to set your eyebrows. Start applying it from the corner near the nose. Apply the gel in upward strokes, this will make your eyebrows look naturally set. Shape and set it this way – after applying the gel, continue brushing it with a spoolie to give it the desired shape. For a laminated look, you can leave it in an upward direction, or you can set it along with the shape of your eyebrows. If eyebrow growth is slow in any area, use an eyebrow pencil in those areas before applying the gel. Until it dries - Although the gel does not take much time to dry, but do not touch the eyebrows until it dries. This will keep your eyebrows set throughout the day and their shape will not get spoiled. These types of gels are more beneficial - Take such gel which not only sets your eyebrows but also helps in their growth. Gels containing these ingredients give them finishing and nourishment as well: Castor oil: Known to increase the growth and thickness of eyebrows. Vitamin E: Nourishes and conditions the eyebrows. Jojoba oil: Strengthens the eyebrow hair and prevents them from falling.

Opening Day Box Office Collections of Shahid Kapoor's Films - Will O' Romeo Break Any of These Records?

Shahid Kapoor's new film, "O Romeo," has been released, marking a strong comeback, and critics are praising his performance. This is his fourth collaboration with Vishal Bhardwaj, taking audiences on a dark and underworld. Today, we'll tell you about collections. Padmaavat had the highest 13th - Vishal Bhardwaj is the director. released at the box office. The actor has praising his performance. Vishal seen with him in this film. Shahid and the Mumbai underworld, O Romeo is your heart. It's a story that first brings their hidden secrets in the second half. collaborate for the fourth time and take mysterious journey. The box office that, let's take a look at Shahid's other Padmaavat: Directed by Sanjay Leela honorable King Rawal Ratan Singh of the film. The film grossed ?24 crore on Vanga's Kabir Singh revitalized film, he played the role of an obsessive girlfriend. This film proved to be the

mysterious journey. The film is set in the Mumbai Shahid Kapoor's film and its opening day grossing film. O Romeo, released on February Shahid Kapoor's film, "O Romeo," has been made a strong comeback, and critics are highly Bhardwaj and Tripti Dimri will once again be Vishal collaborate for the fourth time. Based on the kind of film that comes quietly and captures you closer to the characters and then reveals Vishal Bhardwaj and Shahid Kapoor the audience on a profound, emotional, and figures for the film will be released soon. Before films and their opening day box office collections. Bhansali, Shahid played the heroic and Mewar. Ranveer and Deepika also appeared in its opening day. Kabir Singh: Sandeep Reddy Shahid's career after a string of flops. In this lover who goes to any lengths to get his second biggest opening of Shahid's career, collecting ?20.21 crore. The film's lifetime collection is ?280 crore. Shaandaar: Starring Shahid Kapoor and Alia Bhatt, 'Shaandaar' is a unique romantic comedy about a chaotic destination wedding, where secrets, misunderstandings, and unexpected love stories unfold. Shahid and Alia's chemistry mesmerized the audience, and the film's hit songs became a hit on playlists. The film earned ?13.10 crore on its first day. R...Rajkumar - Shahid won the hearts of fans by playing the role of a ruthless gangster in Prabhu Deva's film 'R...Rajkumar'. The film grossed ?10.20 crore on its first day. Udtaa Punjab Shahid played a drug addict in this thriller, which highlights the widespread drug abuse and misuse crisis in Punjab. The film became a hit upon release, grossing ?10.05 crore on its first day.

Rekha's film in which a crocodile stole the limelight, the climax of this thriller released 38 years ago was powerful.

In a film released 38 years ago, a crocodile stole the limelight. The main suspense of the film begins with the crocodile, and the climax ends with it. This film was a superhit at the box office. The crocodile played a major role in Rekha's film. The fear of the crocodile was twice depicted in Rekha's film - Rekha's 38-year-old film was a superhit. The connection between films and the crocodile is not new. Besides Shanaya Kapoor and Adarsh ??Gourav's latest film, "Tu Ya Main," crocodiles have been featured in several films. Interestingly, crocodiles have grabbed the limelight in a few minutes' worth of scenes in a 2-3 hour film. Something similar happened in a film released 38 years ago. This was Rekha's film, where the crocodile scene was a major highlight. The main thrill of this film also started with a crocodile and the climax also ended with a crocodile. This film was liked so much that it became a superhit at the box office. Rekha's superhit film - This film was 'Khoon Bhari Maang' released in 1988. Rekha single-handedly made this film a superhit. Apart from Rekha, Kabir Bedi, Soni Walia and Kader Khan were in the lead roles in the film. The film was directed by Rakesh Roshan. Fear of crocodile in Rekha's film - The story of the film is about Aarti (Rekha), a widow belonging to a rich family, whose husband died in a car accident and her father was also murdered. After this, she tries to survive alone with her children and pet dogs. Then Hiralal (Kader Khan), a friend of Aarti's father, tries to become her father figure. He brings his nephew Sanjay into Aarti's life so that he can take over Aarti's property. Aarti's friend Nandini (Sonu Walia) is also involved with Sanjay. They all try to convince Aarti to remarry Sanjay, and when Aarti finally marries Sanjay, the real drama begins. Nandini and Sanjay take Aarti on a trip and push her into crocodile-infested waters. Sanjay and Nandini believe Aarti is dead, but after being injured by a crocodile, Aarti survives and recovers with plastic surgery. This begins a saga of revenge. She slowly ruins the lives of Nandini, Sanjay, and Hiralal. She treats her enemies the same way she was treated: she throws them to the crocodile.

Zayn Malik cheated on Gigi Hadid; the singer never loved the supermodel.

Zayn Malik recently opened up about his relationship with his former partner, Gigi Hadid. He said that despite dating for five years and having a daughter, Khai, he doesn't think he ever loved her. Zayn explained that at the time, he might have thought it was love, but now he feels it was something more than love. The couple has a 5-year-old daughter. They decided to separate in 2021 - Gigi and Zayn dated for 5 years. At one time, Zayn Malik loved having Gigi Hadid around, but they haven't been seen together for quite some time. It's been more than five years since they separated, and now former One Direction member Zayn Malik has spoken out. Zayn said that although they dated for five years, he now feels there was never any love between them. The two have a 5-year-old daughter - Zayn said on the show Call Her Daddy, "Honestly, and let this be on record, I will always love Gi because she's the reason my baby girl is in this world, and I respect her so much." Zayn and Gigi have a 5-year-old daughter, Khai. "I will always love her, but I don't know if I loved her," Zain said. However, Zain isn't sure if he ever truly fell in love with the supermodel. The singer still seems confused. The two were first linked in 2016. He reiterated, "I love her very much, but no, I don't think I loved her at that time." He argued that if he had loved her, "maybe I would have been a better version of myself." The two separated in 2021. The singer is soon releasing his fifth album, KONNAKOL, which will be released in April. Zain is upset with Zain. Zain further explained, "My understanding of love is constantly evolving. At the time, I may have thought it was love, but as I grew older, I realized that maybe it wasn't love. Maybe it was lust. Maybe it was something else. I don't think it was love." According to a report in Hungama Express, Jiji is very upset with him for this. She believes that the two loved each other very much.